राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 02 फरवरी 2025 वर्ष-8,अंक-10 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केन्द्रीय बजट 2025-26

पीएम मोदी ने सीतारमण से कहा- अच्छा बजट, हर कोई आपकी तारीफ कर रहा

-अमित शाह बोले- यह बजट विकसित और केंद्र सरकार की दूरदर्शिता का ब्लूप्रिंट

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को देश का आम बजट पेश किया। इस बजट में किसान से लेकर महिला कल्याण से जुड़ी योजनाओं का ऐलान किया गया। वित्त मंत्री ने सदन में बजट भाषण दिया। उसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी अपनी सीट से उठकर वित्त मंत्री सीतारमण की टेबल पर पहुंचे और उन्हें इस शानदारर बजट के लिए बधाई दी। पीएम मोदी ने वित्त मंत्री से कहा कि हर कोई आपकी तारीफ कर रहा है, क्योंकि बजट बहुत अच्छा है। सूत्रों के मुताबिक इससे पहले कैबिनेट की बैठक में बजट को मंजूरी मिलने के बाद पीएम मोदी ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों से कहा कि ये बजट आम आदमी के लिए है। यह गरीब किसान, महिलाओं और युवाओं की आकांक्षाओं का बजट है। आम बजट पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह बजट विकसित और हर क्षेत्र में श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में मोदी सरकार की दूरदर्शिता का ब्लूप्रिंट है। किसान, गरीब, मध्यम वर्ग, महिला और बच्चों की शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य से लेकर स्टार्टअप, इनोवेशन और इन्वेस्टमेंट तक हर क्षेत्र को समाहित करता यह बजट पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप है। इस सर्वसमावेशी और दूरदर्शी बजट के लिए पीएम मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देता हूं। वहीं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ये विकसित भारत का बजट है। पीएम मोदी के संकल्प का और एक नया ऊर्जावान युवा भारत के सपनों को साकार करने वाला बजट है। हर क्षेत्र को और हर विषय को पूर्ण रूप से अध्ययन करके एक मानचित्र तय किया गया है। 12 लाख तक कोई टैक्स नहीं देना होगा। ये कम्पोजिट बजट है जो भारत को आगे लेकर जाएगा। जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि बिहार के लिए सबसे बड़ी घोषणा यह है कि एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनेगा। मखाने की वैश्विक मांग है। मखाना बोर्ड के गठन से बहुत लाभ होगा, यह बजट की बड़ी घोषणा है। पश्चिमी कोसी नहर पूरे मिथिला की लंबे समय से लंबित मांग थी, जिसके लिए बजट में घोषणा की गई है। कुल मिलाकर बजट बिहार के लिए सुखद है। मध्यम वर्ग को दी गई कर छूट एक बहुत बड़ी घोषणा के साथ राहत भी है।

मध्यम वर्ग को बड़ी राहत,

12 लाख तक कोई टैक्स नहीं

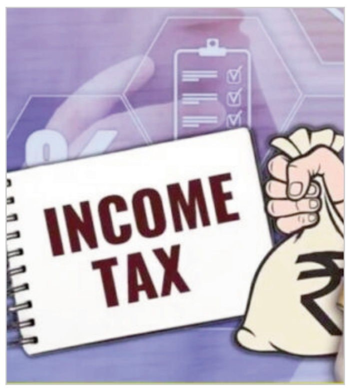

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आम बजट पेश करते हुए मध्यम वर्ग के लिए बड़ी राहत का ऐलान किया है। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में नए इनकम टैक्स बिल की घोषणा करते हुए कहा कि अब 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर कोई टैक्स नहीं देने की घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम मध्यम वर्ग की कर देनदारी को कम करने और बचत को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। इस नए टैक्स ढांचे के तहत, यदि करदाता कुछ विशेष निवेश योजनाओं में निवेश करता है, तो उसे 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा।

नए इनकम टैक्स स्लैब

- 12 लाख रुपये तक - कोई टैक्स नहीं
- 5 से 8 लाख रुपये तक - 5 फीसदी टैक्स (यदि निवेश नहीं किया गया)
- 24 लाख रुपये से ऊपर - 30 फीसदी टैक्स
- बुजुर्गों के लिए राहत - टीडीएस की सीमा बढ़ाकर 1 लाख रुपये की गई
- टीसीएस सीमा - 7 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये की गई

केवायसी प्रक्रिया होगी आसान

इसके अलावा, वित्त मंत्री ने केवायसी प्रक्रिया को सरल बनाने की भी घोषणा की, जिससे कर फाइलिंग की प्रक्रिया और आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार टैक्स ढांचे को पारदर्शी बनाने और करदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से कई सुधार कर रही है।

मध्यम वर्ग को होगा बड़ा फायदा

आने वाले हफ्ते में इस बिल को संसद में पेश किया जाएगा और पारित होने के बाद यह नया कर ढांचा प्रभावी होगा।

मेक इन इंडिया' को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन की स्थापना की जाएगी : सीतारमण

- **फुटवियर और लेदर क्षेत्रों के लिए फोकस उत्पाद स्कीम 22 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन करेगी**
- **भारत को 'वैश्विक खिलौना केंद्र' बनाने के लिए राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना**

नई दिल्ली । 'मेक इन इंडिया' को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लघु, मध्यम और बड़े उद्योगों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन की स्थापना की जाएगी। यह घोषणा केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण नेअपने बजट भाषण में कहा कि यह केंद्रीय मंत्रालयों और राज्यों के लिए नीतिगत सहायता, निष्पादन कार्ययोजनाएं, शासन और निगरानी फ्रेमवर्क उपलब्ध कराएगा। राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन 5 महत्वपूर्ण क्षेत्रों अर्थात् व्यवसाय करने की सुगमता और लागत; मांग वाली नौकरियों के लिए भावी तैयार कार्यबल; जीवंत और गतिशील एमएसएमई क्षेत्र; प्रौद्योगिकी की उपलब्धता और गुणवत्ता युक्त उत्पाद पर बल देगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि यह मिशन स्वच्छ प्रौद्योगिकी विनिर्माण को भी सहायता प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य घरेलू मूल्यवर्धन में पर्याप्त सुधार करना और सोलर पीवी सेल, ईवी बैटरी, मोटरों और कंट्रोलरों, इलेक्ट्रोलाइजरों, विंड टर्बाइनों, अत्यधिक वोल्टेज वाले ट्रांसमिशन उपकरण और ग्रिड स्केल बैटरियों का इकोसिस्टम तैयार करना होगा। वित्त मंत्री ने श्रम-सघन क्षेत्रों के लिए उपायों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरकार श्रम-सघन क्षेत्रों में रोजगार और उद्यमशीलता के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट नीतिगत और सहायक उपाय करेगी। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि भारत के फुटवियर और लेदर क्षेत्र की उत्पादकता, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने हेतु फोकस उत्पाद स्कीम कार्यान्वित की जाएगी।

बजट में हुआ ऐलान, आईआईटी के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने और सीटें बढ़ाने पर जोर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 का केंद्रीय बजट पेश कर दिया। इस बजट में हर सेक्टर के लिए अलग-अलग सौगातें दी गईं हैं। वैसे देश के आम बजट से हर तबके को उम्मीदें रहती हैं, लेकिन युवा वर्ग सबसे ज्यादा निगाहें रहती हैं। इसतरह युवाओं के लिए इस बार बजट में काफी कुछ दिया गया है। तकनीकी शिक्षा पर जोर देकर वित्त मंत्री ने बजट में आईआईटी के लिए काफी कुछ दिया है। इसके तहत आईआईटी के इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के साथ, सीटों में बढ़ोतरी और सेंटर की संख्या बढ़ाने का ऐलान किया गया। इसके अलावा पटना स्थित आईआईटी को और भी अधिक पोषित किया जाएगा। बजट घोषणा के अनुसार देश भर के 23 आईआईटी संस्थानों में सीटों की संख्या बढ़ेगी। इससे यहां एडमिशन लेने वाले छात्रों की संख्या दोगुनी होगी।

किसानों, महिलाओं, शिक्षा, मेडिकल, एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए कई ऐलान

लिथियम आयरन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग में छूट शामिल

नई दिल्ली । मोदी सरकार 3.0 का पहला संपूर्ण बजट केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया। बजट में किसानों, महिलाओं, शिक्षा, मेडिकल, एमएसएमई और स्टार्ट-अप के अलावा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए भी कई बड़े ऐलान किए हैं। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाले लिथियम आयरन बैटरी मैन्युफैक्चरिंग में मिलने वाली छूट भी शामिल है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों के सस्ते होने की उम्मीद बढ़ गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि, कोबाल्ट पाउडर और अपशिष्ट, लिथियम आयन बैटरी के स्क्रैप, सीसा, जस्ता और 12 अन्य महत्वपूर्ण खनिजों को छूट मिलेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम-आयन बैटरी निर्माण हेतु 35 अतिरिक्त वस्तुओं को सीमा शुल्क से छूट मिलेगी। इस बार के बजट में किसानों, महिलाओं, शिक्षा, मेडिकल, एमएसएमई और स्टार्ट-अप के अलावा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए भी कई बड़े ऐलान हुए हैं। मेक इन इंडिया योजना को और बढ़ावा देने के लिए वित्त मंत्री सीतारमण ने ऐलान किया है कि, नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन को और भी मजबूत किया जाएगा, जिसका लाभ ऑटो सेक्टर होगा।

इलैक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां, एलईडी, मोबाइल और कपड़ा होगा सस्ता

-मिडिल क्लास और किसानों को बजट में सरकार ने दिया खास तोहफा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आम बजट 2025 लोकसभा में पेश किया। इस बजट में युवाओं और महिलाओं पर फोकस था। वहीं गरीब, मिडिल व लास और किसानों के लिए भी इस बजट में खास तोहफा दिया गया है। इस बार के बजट में सरकार महंगाई और टैक्स में लोगों को राहत देने का प्रयास किया गया है। वहीं बजट से पहले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम कम कर दिए गए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025-26 पेश करते हुए कई वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी में कटौती की घोषणा की, जिससे कुछ चीजों के दाम कम होने की उम्मीद है। खासतौर पर इलैक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों और इलेक्ट्रिक गाड़ियों से जुड़ी वस्तुएं अब सस्ती हो जाएंगी।

बजट में ये हुआ सस्ता-

इलैक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां, 36 जीवनरक्षक दवाएं, कैंसर की दवाएं, इलेक्ट्रिक गाड़ी, मोबाइल फोन, मोबाइल बैटरी फिश पेस्ट, लेदर गुड्स, एलईडी टीवी।

ये हुआ महंगा-

फ्लैट पैनल डिस्प्ले, टीवी डिस्प्ले, फैबरिक।

सरकार ने दवाओं पर कस्टम ड्यूटी कम की है। इसमें कैंसर की दवाएं भी शामिल है। कैंसर और गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों के लिए 56 दवाओं पर कस्टम ड्यूटी हटाई जाएगी। सरकार ने 36 जीवनरक्षक दवाओं को बेसिक कस्टम ड्यूटी से पूरी तरह छूट देने की घोषणा की है। इसका फायदा उन मरीजों को मिलेगा जो कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं और महंगी दवाइंया खरीदते हैं।

वहीं वित्त मंत्री सीतारमण ने इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी 5 फीसदी करने की बात कही है। खासकर टीवी और मोबाइल फोन के ओपन सेल और अन्य कंपोनेंट्स पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में कमी की है, जिससे इनके दाम कम हो सकते हैं।

केन्द्रीय बजट 2025-26 की मुख्य बातें

नई दिल्ली । केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज संसद में केन्द्रीय बजट 2025-26 पेश किया। बजट की मुख्य बातें इस प्रकार हैं-

बजट अनुमान 2025-26

उधारियों के अलावा कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 34.96 लाख करोड़ रुपये तथा 50.65 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

निवल कर प्राप्तियां 28.37 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

सकल बाजार उधारियां 14.82 लाख करोड़ रहने का अनुमान है।

वित्त वर्ष 2025-26 में कैपेक्स व्यय 11.21 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 3.1 प्रतिशत) रहने का अनुमान है।

विकास के प्रथम इंजन के रूप में कृषि

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना - विकासशील कृषि जिला कार्यक्रम

राज्यों की भागीदारी से 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' का शुभारंभ करेगी। इस कार्यक्रम में मौजूदा योजनाओं और विशिष्ट उपायों के अभिसरणके माध्यम से कम उत्पादकता, कम उपज और औसत से कम ऋण मानदण्डों वाले 100 जिलों को शामिल किया जाएगा। इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को मदद मिलने की संभावना है।

ग्रामीण समृद्धि और लचीला निर्माण

राज्यों की भागीदारी से 'ग्रामीण समृद्धि और लचीला निर्माण' नामक एक व्यापक बहु-क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रारम्भ किया जाएगा ताकि कौशल, निवेश, प्रौद्योगिकी के माध्यम से कृषि में कम रोजगार का समाधान होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान आएगी।

पहले चरण में 100 विकासशील कृषि जिलों को शामिल किया जाएगा।

दलहन में आत्मनिर्भरता

सरकार तूर, उड़द और मसूर पर विशेष ध्यान देने के साथ 6-वर्षीय ÷दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन÷ प्रारम्भ करेगी।

केंद्रीय एजेंसियां नेफेड और एनसीसीएफ अगले 4 वर्षों के दौरान किसानों से ये दालें खरीदेगी।

सब्जियों और फलों के लिए व्यापक कार्यक्रम

उत्पादन, प्रभावी आपूर्तियों, प्रसंस्करण और किसानों के लिए लाभकारी मूल्य को बढ़ावा देने के लिए राज्यों की भागीदारी से एक व्यापक कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा।

बिहार में मखाना बोर्ड

मखानों का उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार लाने के लिए बिहार में मखाना बोर्ड स्थापित किया जाएगा।

राष्ट्रीय उच्च पैदावार बीज मिशन

राष्ट्रीय उच्च पैदावार बीज मिशन शुरू किया जाएगा किया जाएगा जिसका उद्देश्य अनुसंधान इकोसिस्टम को मजबूत करना, लक्षित विकास और उच्च पैदावार वाले बीजों का प्रसार करना और बीजों की 100 से अधिक किस्मों को वाणिज्यिक स्तर पर उपलब्ध कराना होगा।

मत्स्य उद्योग

सरकार अंडमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप जैसे द्वीपों पर विशेष ध्यान देने के साथ भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र और गहरे समुद्रों से निरंतर मछली पकड़ने को बढ़ावा देने के लिए एक फ्रेमवर्क लाएगी।

कपास उत्पादकता मिशन

कपास की खेती की उत्पादकता और निरंतरता में पर्याप्त सुधार लाने के लिए 5 वर्षीय मिशन की घोषणा की गई है और कपास की अधिक लंबे रेशे वाली किस्मों को बढ़ावा दिया जाएगा।

किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अधिक ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से लिए जाने वाले ऋणों के लिए ऋण सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी जाएगी।

असम में यूरिया संयंत्र

नामरूप असम में 12.7 लाख मीट्रिक टन की वार्षिक उत्पादन क्षमता वाला एक संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

एमएसएमई के वर्गीकरण मानदण्ड में संशोधन

सभी एमएसएमई के वर्गीकरण के लिए निवेश और कारोबार की सीमा बढ़ाकर क्रमशः 2.5 और 2 गुना कर दी जाएगी।

सूक्ष्म उद्यमों के लिए क्रेडिट कार्ड

उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत सूक्ष्म उद्यमों के लिए पहले वर्ष में 5 लाख रुपये तक की सीमा वाले 10 लाख कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे।

स्टार्ट-अप के लिए निधियों का कोष

विस्तारित कार्यक्षेत्र और 10,000 करोड़ रुपए के नए अंशदान के साथ निधियों के नए कोष की स्थापना की जाएगी।

पहली बार के उद्यमियों के लिए योजना

5 लाख महिलाओं अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के पहली बार के उद्यमियों के लिए अगले 5 वर्षों के दौरान 2 करोड़ रुपए तक का सावधि ऋण उपलब्ध कराने की एक नई योजना की घोषणा।

फुटवियर और लेदर क्षेत्रों के लिए फोकस उत्पाद स्कीम

भारत के फुटवियर और लेदर क्षेत्र की उत्पादकता, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने हेतु 22 लाख व्यक्तियों को रोजगार दिलाने 4 लाख करोड़ का कारोबार करने और 1.1 लाख करोड़ से अधिक का निर्यात सुगम बनाने के लिए फोकस उत्पाद स्कीम की घोषणा।

खिलौना क्षेत्र के लिए उपाय

भारत को 'वैश्विक खिलौना केंद्र' बनाते हुए उच्च गुणवत्ता वाले अनूठे नवीन और पर्यावरण के अनुकूल खिलौने बनाने की योजना।

खाद्य प्रसंस्करण के लिए सहायता

बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता और प्रबंधन संस्थान स्थापना की जाएगी।

विनिर्माण मिशन - 'मेक इन इंडिया' को आगे बढ़ाना

'मेक इन इंडिया' को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लघु, मध्यम और बड़े उद्योगों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन की स्थापना की जाएगी।

विकास के तीसरे इंजन के रूप में निवेश

लोगों में निवेश

सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0

पोषण संबंधी सहायता के लिए लागत मानदण्डों को समुचित रूप से बढ़ाया जाएगा।

अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं

अगले 5 वर्षों में सरकारी स्कूलों में 50000 अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी।

सरकारी माध्यमिक स्कूलों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) के लिए ब्रॉडबैण्ड कनेक्टिविटी

भारत नेट परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सरकारी माध्यमिक स्कूलों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी।

भारतीय भाषा पुस्तक स्कीम

स्कूल और उच्चतर शिक्षा के लिए भारतीय भाषाओं में डिजिटल रूप में पुस्तकें प्रदान करने के लिए भारतीय भाषा पुस्तक योजना की घोषणा।

राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्र

÷मेक फॉर इंडिया मेक फॉर द वर्ल्ड÷ विनिर्माण के लिए हमारे युवाओं को आवश्यक कौशलों से सुसज्जित करने के लिए वैश्विक विशेषज्ञता और भागीदारी के साथ 5 राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किये जाएंगे।

आईआईटी में क्षमता का विस्तार

6,500 और विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सुगम बनाने के लिए वर्ष 2014 के पश्चात शुरू किए गए 5 आईआईटी में अतिरिक्त अवसंरचना का सृजन किया जाएगा।

शिक्षा हेतु एआई में उत्कृष्टता केंद्र

500 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय से शिक्षा हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता संबंधी एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा का विस्तार

मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में अगले 5 वर्षों में 75000 और सीटें बढ़ाने के लक्ष्य की दिशा में अगले वर्ष 10000 अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएंगी।

सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्र

सरकार अगले 3 वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित करने की सुविधा प्रदान करेगी। वर्ष 2025-26 में 200 केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

शहरी आजीविका सुदृढ़ीकरण

शहरी कामगारों को आमदनी बढ़ाने और स्थायी आजीविका पाने में सहायता करने के लिए उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए एक स्कीम की घोषणा।

पीएम स्वनिधि

इस स्कीम को बैंकों से संवर्धित ऋण 30,000 रुपए की सीमा के साथ यूपीआई लिंक्ड क्रेडिट कार्डों और क्षमता विकास सहायता के साथ नवीकृत किया जाएगा।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कामगारों के कल्याण के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना

सरकार गिग कामगारों के लिए पहचान पत्र और ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण की व्यवस्था तथा पीएम जन आरोग्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करेगी।

अर्थव्यवस्था में निवेश

अवसंरचना में सरकारी निजी भागीदारी

सरकारी निजी भागीदारी में 3 वर्षीय पाइपलाइन परियोजनाओं के लिए अवसंरचना संबंधी मंत्रालय बनाए जाएंगे राज्यों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

अवसंरचना के लिए राज्यों को सहायता

सुधारों के लिए पूंजी व्यय और प्रोत्साहन के लिए राज्यों को 50 वर्ष के ब्याजमुक्त ऋण के लिए डेढ लाख करोड़ रूपए के आवंटन का प्रस्ताव।

परिसंपत्ति मौद्रीकरण योजना 2025-30

घोषित की गई नई परियोजनाओं में 10 लाख करोड़ रुपए की पूंजी के लिए 2025-30 के लिए दूसरी योजना।

जल जीवन मिशन

बढ़े हुए कुल आवंटन के साथ मिशन को 2028 तक बढ़ाया गया।

शहरी चुनौती कोष

एक लाख करोड़ रुपए के शहरी चुनौती कोष की घोषणा जिसे 2025-26 के लिए 10 हजार करोड़ रुपए के आवंटन के प्रस्ताव के साथ वृद्धि केंद्रों के रूप में शहर शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास और जल एवं स्वच्छता के लिए प्रस्ताव लागू करने के लिए उपयोग किया जाएगा।

विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन

परमाणु ऊर्जा अधिनियम और नागरिक दायित्व परमाणु क्षति अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव।

20 हजार करोड़ रुपए के आवंटन के साथ लघु मॉड्यूलर रियक्टर्स (एसएमआर) के अनुसंधान व विकास के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन स्थापित किया जाएगा। 2033 तक 5 स्वदेश विकसित एसएमआर संचालित करने का प्रस्ताव।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शांति, संस्कृति एवं शिक्षा का महापर्व है बसंत पंचमी

(लेखक- ललित गर्ग)

(बसंत पंचमी - 2 फरवरी, 2025)

मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए।

बसंत पंचमी या श्री पंचमी हिन्दुओं का प्रमुख सांस्कृतिक एवं धार्मिक त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह प्रकृति के सौंदर्य, नई शुरुआत, और सकारात्मकता का उत्सव भी है। इस दिन देवी सरस्वती की पूजा से मन में शांति और ज्ञान का संचार होता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में शिक्षा, कला, सौन्दर्य और प्रकृति का सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है। प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बांटा जाता था उनमें बसंत लोगों का सबसे मोहक, मनोरम एवं मनचाहा मौसम था। बसंत पंचमी मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, संगीत की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा एवं सौन्दर्यमय त्योहार है, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। माता सरस्वती को ज्ञान-विज्ञान, सूर-संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ-साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है, मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। बसंत पंचमी के 40 दिन बाद होली का पर्व मनाया जाता है, इसलिए बसंत पंचमी से होली के त्योहार की शुरुआत मानी जाती है।

मान्यता है कि बसंत पंचमी को देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। इसी दिन वह हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान होकर प्रकट हुई थीं। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द, स्वर व शक्ति की प्राप्ति जीव-जगत को हुई थी। इसीलिये मां सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है। पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का वाहन सफेद हंस है। यही कारण है कि देवी सरस्वती को हंसवाहिनी भी कहा जाता है। देवी सरस्वती विद्या की देवी हैं। देवी का वाहन हंस यही संदेश देता है कि मां सरस्वती की कृपा उसे ही प्राप्त होती है जो हंस के समान विवेक धारण करने वाला होता है। केवल हंस में ही ऐसा विवेक होता है कि वह दूध का दूध और पानी का पानी कर सकता है। हंस दूध ग्रहण कर लेता है और पानी छोड़ देता है। इसी तरह हमें भी बुरी सोच को छोड़कर अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए।

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो। सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए। मां सरस्वती को पीले रंग प्रिय है, मान्यतानुसार पीला रंग सुख-समृद्धि और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। पीला रंग बसंत पंचमी का मुख्य प्रतीक है। पीले रंग को सरस्वती मां का प्रिय रंग भी कहा जाता है। पीले फूलों को मां पर अर्पित किया जाता है, पीले रंग की साज-सज्जा की जाती है और पीले रंग के चावल माता को भोग में चढ़ाने शुभ माने जाते हैं।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरुआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब्र का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति-पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीर्घायु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक धारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें।

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरुआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है। लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है, यही इसका अलौकिक सौन्दर्य है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था। सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी, वीणा और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा। उन्हें वीणावादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंधकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

टूडो की शिकस्त

अपनी सरकार बचाने के लिये भारत विरोध की हद पार करने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो को करारी शिकस्त मिली है। जिन लोगों को खुश करने के लिये टूडो भारत के खिलाफ बेतुके आरोप गढ़ रहे थे, उन्होंने भी उनका साथ नहीं दिया। उस दल की समर्थन वापसी के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया है और नये प्रधानमंत्री के चुने जाने तक कार्यवाहक दायित्व निभा रहे हैं। बहरहाल, उन्होंने भारत के साथ रिश्तों को भी इतिहास के सबसे बुरे दौर में पहुंचा दिया था। निज्जर हत्या मामले में विदेशी हाथ के नाम पर भारत पर गंभीर आरोप लगाने के बाद इस बाबत एक जांच आयोग बैठा था। बीते मंगलवार कनाडाई जांच आयोग ने भारत के खिलाफ रचे गए आरोपों को खारिज कर दिया। दरअसल, टूडो ने निज्जर की हत्या में विदेशी हाथ होने के आरोप लगाकर भारत को घेरने की कोशिश की थी। लेकिन कनाडाई आयोग ने सारी शंकाओं को दूर कर दिया है। आयोग ने अपनी रपट में साफ किया कि जून 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप निज्जर की हत्या में विदेशी भूमिका के बाबत कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। जाहिर है, तथ्यों को तोड़मरोड़ कर टूडो ने जिस तरह भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की साजिश रची थी, उस पर पानी फिर गया है। इस तरह टूडो ने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये समर्थन देने वाले जिस दल को खुश करना चाहा था, उसने भी समर्थन वापस ले लिया। दूसरी ओर भारत के साथ संबंधों को भी उन्होंने सबसे बुरे दौर में पहुंचा दिया। टूडो को लेकर एक बार फिर वही कहावत चरितार्थ हुई है कि 'न खुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम, न इधर के हुए न उधर के हुए'। बहरहाल, इस रिपोर्ट के आने बाद आस जगी है कि दोनों देशों के संबंधों में सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि टूडो ने न केवल देश के सार्वजनिक मंचों बल्कि अपने देश की संसद में भी आरोप लगाया था कि निज्जर हत्याकांड में भारतीय खुफिया एजेंसियों की भूमिका रही है।निश्चित रूप से कनाडा की संसद में दिया गया टूडो का यह बयान अपरिपक्व व गैरजिम्मेदार था। आखिर कैसे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की मर्यादाओं का ध्यान रखे बिना किसी देश को कठघरे में खड़ा किया जा सकता है? कैसे टूडो ने बिना जांच-पड़ताल के ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश को दोषी घोषित करने के नापाक मंसूबे पाल लिए? भारत ने कई बार टूडो सरकार से सबूत मांगे, जो भारत को कभी उपलब्ध ही नहीं कराए गए। इस तरह भारत के पक्ष पर मोहर लगाकर कनाडाई जांच आयोग ने साबित कर दिया है कि टूडो का भारत विरोध दुराग्रहों से ही प्रेरित था। यही वजह थी कि दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को अपने देशों से निकाला और इससे नागरिकों का मुक्त आवागमन बाधित हुआ है। लेकिन यह भी हकीकत है कि इस गैरजिम्मेदार व्यवहार के कारण कनाडा में उनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से नीचे गिरा। कालांतर देश के मिजाज को समझते हुए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नये नेता का चुनाव होने तक ही उन्हें इस पद पर रहने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इस साल कनाडा में आम चुनाव होने वाले हैं। बहरहाल, इस मामले में टूडो के आरोप खारिज होने के बाद भारत के खिलाफ मुहिम चलाने वालों का भी मनोबल जरूर गिरेगा।

ज्ञान की देवी सरस्वती के प्रादुर्भाव का उत्सव है वसंत पंचमी

(लेखक - सुयश मिश्रा)

ऋतुओं में वसंत-ऋतु सर्वश्रेष्ठ है। इसीलिए वसंत को ऋतुओं का राजा माना जाता है। इस ऋतु के प्रवेश करते ही सम्पूर्ण पृथ्वी वासंती आभा से खिल उठती है। वसंत ऋतु के आगमन पर वृक्षों से पुराने पत्ते झड़ जाते हैं और नये पत्ते आना प्रारंभ होते हैं। इस ऋतु के प्रारंभ होने पर शीत लहर धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा वातावरण में उष्णता का समावेश होता है। माघ महीने के शुक्लपक्ष की पंचमी को वसंत ऋतु का आरम्भ स्वीकार किया गया है और इसे महत्त्वपूर्ण पर्व की मान्यता दी गई है।

हिन्दू-धर्म में वसंत पंचमी का विशेष महत्त्व इसलिए भी है क्योंकि इसी दिन माँ सरस्वती का प्रादुर्भाव हुआ। माता सरस्वती विद्या की देवी हैं। उनके पास आठ प्रकार की शक्तियाँ हैं -- ज्ञान, विज्ञान, विद्या, कला, बुद्धि, मेधा, धारणा और तर्कशक्ति। ये सभी शक्तियाँ माता अपने भक्तों को प्रदान करती हैं। भक्त को अगर इनमें से कोई शक्ति प्राप्त करनी हो तो वह विद्या की देवी माता शारदा की आराधना करके उनसे उस शक्ति प्राप्त कर सकता है।

जिस प्रकार शास्त्रों में सृजन, पालन एवं संहार के प्रतीक त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश की मान्यता है ठीक उसी प्रकार बुद्धि, धन और शक्ति की प्रतीक सरस्वती, लक्ष्मी और काली के रूप में त्रिदेवियाँ भी स्वीकृत हैं। इनमें माता सरस्वती प्रथम स्थानीय हैं क्योंकि धनार्जन एवं रक्षार्थ शक्ति-नियोजन में भी बुद्धिरूपिणी सरस्वती की कृपा की विशेष आवश्यकता रहती है।

आचार्य व्याडि ने अपने प्रसिद्ध कोष में 'श्री' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुये लिखा है कि 'श्री' शब्द अनेकार्थी है और लक्ष्मी, सरस्वती, बुद्धि, ऐश्वर्य, अर्थ, धर्म आदि पुरूषार्थों, अणिमा आदि सिद्धियों, मांगलिक उपकरणों और सुन्दर वेशरचना आदि अर्थों में भी प्रयुक्त होता है -

लक्ष्मीसरस्वतीधीत्रिवर्गसम्पद्विभूतिशोभासु।
उपकरणवेशरचना च श्रीरिति प्रथिता।।

इससे स्पष्ट है कि माता सरस्वती बुद्धि, धन, सौन्दर्य, ऐश्वर्य एवं अनेक सिद्धियों से सम्पन्न देवी हैं। लोक में उन्हें अनेक नामों से जाना जाता है जैसे - भारती, ब्राह्मी, वाणी, गीर्देवी, वाग्देवी, भाषा, शारदा, त्रयीमूर्ति, गिरा, वीणापाणि, पद्मासना और हंसवाहिनी किन्तु उनकी सरस्वती संज्ञा ही सर्वाधिक स्वीकृत है।

संपूर्ण विश्व का दैनन्दिन कार्य-व्यापार मनुष्य की वाणी पर ही निर्भर करता है। अतः इस संदर्भ में भी वाग्देवी भगवती सरस्वती की सत्ता सर्वोपरि है। महाकवि भवभूति ने 'उत्तररामचरितम' नाटक में मधुर वाणी को सरस्वती का स्वरूप बताया है। यह सत्य भी है क्योंकि यदि मनुष्य की वाणी मधुर होगी तो वह सामने वाले व्यक्ति को प्रभावित कर सकेगा, अपनी ओर आकर्षित कर लेगा और अपने कार्य-प्रयोजन में सफल होगा परन्तु यदि उसकी वाणी में मधुरता नहीं है तो वह अपने जीवन में सफलता प्राप्त नहीं कर सकेगा। मनुष्य हो या पशु-पक्षी सभी को मधुर वाणी माता सरस्वती ही प्रदान करती हैं। इस प्रकार वही मनुष्य की सफलता का कारण हैं। अतः सर्वपूज्य भी हैं।

प्राचीन समय में ऋषि-मुनि सभी प्रकार के राग-द्वेष, ईर्ष्या, लोभ, मोह-माया आदि मानसिक विकारों को त्याग कर शुद्ध एवं निर्मल मन से सरस्वती माता की उपासना करते थे और लोक-कल्याण की कामना करते थे। विश्व में सुख-शान्ति और समृद्धि के लिए आज भी उनकी उपासना की आवश्यकता है क्योंकि अज्ञानता और मानसिक विकारों से घिरी भ्रमित मनुष्यता को वही सत्पथ पर ला सकती हैं। मनुष्य को सद्बुद्धि देकर हिंसा, आतंक और संघर्ष के आत्मघाती अपकर्मों से दूर कर सकती हैं। भगवती सरस्वती के प्रादुर्भाव के विषय में ऐसी मान्यता है कि जब भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा जी संसार में चारों ओर देखते हैं तो उन्हें संसार में मूक मनुष्य ही दिखाई देते हैं, जो किसी से भी वार्तालाप नहीं करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है जैसे किसी भी प्राणी में वाणी ही ना हों। यह सब देखकर ब्रह्मा जी अत्यंत दुखी हो जाते हैं। तत्पश्चात वे अपने कलश से जल लेकर छिड़कते हैं। वह जल वृक्षों पर जा गिरता है और एक शक्ति उत्पन्न होती है जो अपने हाथों से वीणा बजा रही होती है और वही बाद में सरस्वती माता का रूप लेकर संसार में पूजित होती है।

वेदों में सरस्वती नदी को भी वागदेवी का रूप माना गया है। लोक-विश्वास है कि इस नदी के सामने बैठकर सरस्वती माता की पूजा करने से उन की सीधी कृपा अपने भक्तों पर बनी रहती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार माता का वाहन हंस है। माता के पास एक अमृतमय प्रकाशपुंज है जिससे वे निरंतर अपने भक्तों के लिए अक्षरों की ज्ञान-धारा प्रवाहित करती हैं।

पारम्परिक मान्यता है कि सरस्वती माता के उपासकों के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण नियम भी होते हैं और इन नियमों का कभी भी अनादर नहीं करना चाहिए। इन नियमों का अनादर करने से माता कुंठित हो जाती हैं, जिसके परिणाम अत्यंत प्रलयंकारी हो सकते हैं।

विश्व के समस्त सद्ग्रन्थ भगवती सरस्वती के मूर्तिमान विग्रह हैं। अतःवेद, पुराण, रामायण, गीता सहित समस्त ज्ञानगर्भित ग्रंथों का आदर करना चाहिए। ऐसे सभी ग्रंथों को माता का स्वरूप मानते हुए अत्यंत पवित्र स्थान पर रखना चाहिए। इन ग्रंथों को अपवित्र अवस्था में स्पर्श नहीं करना चाहिए। अगर हम इन ग्रंथों को अपवित्र अवस्था में स्पर्श करते हैं तो माता हमसे रूष्ट हो सकती हैं। हमें कभी भी इन ग्रंथों को अनादर से पृथ्वी पर नहीं फेंकना चाहिए। इन ग्रंथों को सदैव अपने बैठने के आसन से कुछ ऊँचाई पर रखना चाहिए। प्रातःकाल ब्रह्म मुहूर्त में उठ कर शुद्ध मन से माता का ध्यान करना चाहिए। ग्रहणकाल एवं अशुभ मुहूर्त में स्वाध्याय नहीं करना चाहिए। माता को सफेद रंग अत्यंत प्रिय है इसलिए हमें माता की आराधना करते समय श्वेत पुष्प, सफेद चन्दन, श्वेत वस्त्र आदि श्वेत पदार्थ अर्पित करना चाहिए। माता को प्रसन्न करने के लिए ''ऊँ ऐं महा सरस्वत्यै नमः'' मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए। इससे माता सरस्वती प्रसन्न होती हैं।

माता उपासना करने मात्र से अपने भक्तों से परिचित हो जाती हैं और सदा अपने भक्त की रक्षा करती हैं। इसलिए वसंत पंचमी के दिन भारत के अधिकांश विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सरस्वती माता की उपासना के विशेष अनुष्ठान आयोजित होते हैं। इस प्रकार वसंत पंचमी सरस्वती पूजन का पर्यायरूप उत्सव है।

(चिंतन-मनन)

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

विचार मंथन

बजट भाषण उपरांत शेयर बाजार गिरने के निहितार्थ

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट 2025-26 पेश कर दिया है। इसे लेकर जहां सत्ता पक्ष खासा खुश है तो वहीं विपक्ष इसे आंकड़ों की जादूगरी बताकर इसकी आलोचना भी कर रहा है। आरोप तो यह भी है कि यह बजट बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार केंद्रित कर दिया गया। ज्यादातर योजनाओं के जरिये बिहार को बहुत कुछ उपलब्ध कराने की बात कही जा रही है। इससे पहले की बात करें तो संसद में बजट पेश होता उससे पहले शेयर बाजार सकारात्मक रुख के साथ खुला, लेकिन बजट भाषण जैसे ही खत्म हुआ इसमें गिरावट देखने को मिली। इससे संदेश यह गया कि बजट में शेयर बाजार और निवेशकों के लिए कुछ खास नहीं है। इस कारण बाजार में गिरावट देखने को मिली है। विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र के शेयरों में 9 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रमुख कारण बजट में रक्षा क्षेत्र को अपेक्षाकृत कम आवंटन बताया जा रहा है। एचएएल, बीईएल और बीएचईएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और निजी रक्षा कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आ गई। इस बजट में सरकारी पूंजीगत व्यय में मामूली बढ़ोतरी की गई है, जिससे यह 11.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, यह निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, जिससे बाजार में नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। वहीं, एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर को इस बजट से सकारात्मक लाभ मिलने की संभावना है, जिससे इन क्षेत्रों के शेयरों में मजबूती देखी जा सकती है। वैसे सत्ता पक्ष ने इस बजट को टैक्स सुधार की श्रेणी में रखते हुए आम जनता को राहत देने वाले बजट के तौर पर प्रस्तुत किया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने अपने बजट भाषण के दौरान नए इनकम टैक्स बिल का ऐलान किया है, जिसे अगले हफ्ते संसद में पेश किया जाएगा। इस नए टैक्स स्ट्रक्चर के तहत, 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर सशर्त कोई टैक्स नहीं लगेगा। दरअसल बिना किसी निवेश के 0-4 तक की आय में कोई टैक्स नहीं देना होगा, जबकि 04-8 लाख रुपये तक की आय पर 5 फीसदी टैक्स लगेगा, 8 से 12 लाख रुपये तक आमदनी पर 10 फीसदी टैक्स देना होगा। यदि निवेश किया जाता है तो 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। वहीं 12-16 लाख तक की आय पर 15 फीसदी टैक्स, 16-20 लाख तक की आय पर 20 फीसदी टैक्स और 20 से 24 लाख रुपये तक की आय पर 25 फीसदी टैक्स के साथ ही 24 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 फीसदी टैक्स देना होगा। इसके अलावा बुजुर्गों के लिए टैक्स में राहत दी गई है, जिसमें टीडीएस की सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपये तक कर दिया गया है। वहीं टीसीएस की सीमा को भी 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। इस प्रकार टैक्स में नयापन लाने और आमजन को लाभ पहुंचाने का प्रयास जरुर किया गया है। सरकार का उद्देश्य कर ढांचे को सरल और पारदर्शी बनाना है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग टैक्स भुगतान के प्रति जागरूक हों। इन सुधारों से करदाताओं को राहत मिलेगी और उनकी क्रय शक्ति में वृद्धि होगी। गौरतलब है कि बजट पेश किए जाने से पहले तक यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि सरकार नई टैक्स प्रणाली को अधिक बढ़ावा देगी और कर ढांचे में संभावित बदलाव कर सकती है। करदाताओं को उम्मीद थी कि नए स्लैब के तहत टैक्स दरों में कुछ संशोधन किए जाएंगे, जिससे उनकी कर देनदारी कम होगी और बचत बढ़ेगी। हालांकि, बजट के बाद शेयर बाजार की नकारात्मक प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि अनेक क्षेत्रों की सरकार से जो अपेक्षाएं थीं वो पूरी नहीं हो सकी हैं। बजट में घोषित इन बदलावों से जहां एक ओर बचत को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। खासतौर पर मध्यम वर्ग और कम आय वर्ग के लोगों को राहत मिलेगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। हालांकि, निवेशकों को सरकार की नीतियों से और अधिक स्पष्टता की उम्मीद थी, खासकर रक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और विनिर्माण क्षेत्रों में। बहरहाल कहा जा सकता है कि यह बजट कुछ क्षेत्रों को लाभ पहुंचाता है, जबकि कुछ अन्य सेक्टर इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगे। वित्त मंत्री सीतारमण का यह बजट आम जनता के लिए राहत देने वाला साबित हो सकता है, लेकिन शेयर बाजार में तुरंत इसका सकारात्मक प्रभाव नहीं दिखा, जो वाकई चिंतनीय है। बाजार की दीर्घकालिक प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार बजट के क्रियान्वयन में कितनी प्रभावी साबित होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनवरी में टोयोटा मोटर की वाहन बिक्री 19 फीसदी बढ़कर 29,371 इकाई हुई

नई दिल्ली । टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने शनिवार को कहा कि जनवरी में उसकी बिक्री साल-दर-साल 19 प्रतिशत बढ़कर 29,371 इकाई हो गई। पिछले वर्ष इसी माह में कंपनी ने 24,609 इकाइयां भेजी थीं। कंपनी ने पिछले महीने घरेलू बाजार में 26,178 इकाइयां बेचीं और 3,193 इकाइयां निर्यात कीं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने एक बयान में कहा कि यह निरंतर गति ग्राहक केन्द्रितता, देश भर में ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने और नवोन्मेषी मूल्यवर्धित समाधानों पर बढ़ते जोर पर कंपनी के तीव्र फोकस को रेखांकित करती है। टीकेएम के एक अे धिकारी ने कहा कि वर्ष 2025 में हमारा प्रयास भारत में कंपनी की स्थिति को और मजबूत करना है। हम मूल्यवर्धित सेवाओं और बिक्री के बाद निर्बाध समर्थन के माध्यम से ग्राहक-केंद्रितता को अनुकूलित करना जारी रखेंगे, जिसका उद्देश्य सुखद अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि ऑटो निर्माता की उत्पाद रणनीति बहुविध मार्ग दृष्टिकोण के गहन दर्शन से प्रेरित होगी, जो हर किसी को उसकी गतिशीलता आवश्यकताओं के आधार पर कुछ न कुछ प्रदान करने का प्रयास करेगी।

नया होंडा सिटी एपेक्स एडिशन पेश, कीमत 13.30 लाख से शुरू

नई दिल्ली । प्रीमियम कार निर्माता होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने अपने लोकप्रिय मॉडल होंडा सिटी का नया एपेक्स एडिशन पेश किया है जिसकी एक्स शोरूम कीमत 13.30 लाख रुपये से शुरू होती है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि सीमित मात्रा में उपलब्ध एपेक्स एडिशन मैनुअल ट्रांसमिशन और कंटीन्यूअसली वेरिएबल ट्रांसमिशन (सीवीटी) दोनों में पेश किया जाएगा और यह होंडा सिटी के वी और वीएक्स ग्रेड पर आधारित है।

उड़ान स्कीम के तहत 1.5 करोड़ लोगों का सपना हुआ साकार

नई दिल्ली । वित्त मंत्री ने बताया कि उड़ान स्कीम के अंतर्गत, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लक्ष्य को पूरा किया गया है। इस स्कीम के तहत, 88 एयरपोर्ट इसके द्वारा जोड़े गए हैं। वित्त मंत्री ने भी घोषणा की है कि स्कीम को संशोधित किया जाएगा ताकि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को और बढ़ाया जा सके। इस स्कीम के तहत 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने का निश्चय किया गया है। यह नया निर्धारित लक्ष्य है कि 1 हजार करोड़ लोगों को हवाई जहाज से यात्रा करने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही बिहार में 3 ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की स्थापना का फैसला किया गया है। यह एयरपोर्ट बिहार की यातायात और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इनमें पटना और बेहटा एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ाने के लिए स्थापना की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि उड़ान स्कीम के तहत यात्राओं के लिए नए और सुगम विकल्प उपलब्ध कराने से यातराओं को स्वच्छ और आरामदायक यात्रा का अनुभव होगा।

एटीएम से नकदी निकालने के शुल्क में बढ़ोतरी

1 फरवरी से लागू हो गए हैं नए नियम

नई दिल्ली । बजट पेश होने से पहले पहले आम जनता के लिए जरूरी बैंकिंग और डिजिटल भुगतान से जुड़े कुछ नियम भी बदल गए हैं। ये बदलाव सीधे तौर पर आम आदमी की जेब और रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करेंगे। 1 फरवरी 2025 से एटीएम से नकदी निकालने के शुल्क में बढ़ोतरी हो गई है। नए नियमों के तहत अब हर महीने केवल 3 बार मुफ्त में एटीएम से पैसे निकाले जा सकेंगे। इसके बाद हर अतिरिक्त लेनदेन पर 25 रुपये का शुल्क लगेगा, जो पहले 20 रुपये था। अगर आप अपने बैंक के बजाय किसी दूसरे बैंक के एटीएम से नकदी निकालते हैं, तो इसके लिए 30 रुपये प्रति ट्रांजैक्शन देना होगा। इसके अलावा, एक दिन में अधिकतम 50,000 रुपये तक ही नकदी निकाली जा सकेगी। 1 फरवरी से मिनिमम बैलेंस की सीमा में बदलाव हो जाएगा। अब खाताधारकों को अपनी सेविंग अकाउंट में अधिक न्यूनतम राशि रखनी होगी। भारतीय स्टेट बैंक में खाताधारकों को कम से कम 3000 रुपये की बजाय अब 5000 रुपये रखने होंगे। पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहकों के लिए भी मिनिमम बैलेंस को 1000 रुपये से बढ़ाकर 3500 रुपये किया जाएगा। वहीं केनरा बैंक में मिनिमम बैलेंस सीमा 1000 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये होगी।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए देशभर में खोले जाएंगे 200 नए डे केयर कैंसर सेंटर...

नेशनल डेस्क-

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज अपना लगातार आठवां आम बजट पेश किया। निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। वित्त मंत्री ने घोषणा की कि देशभर में 200 नए डे केयर कैंसर सेंटर खोले जाएंगे, ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इसके साथ ही 3 ए.आई. एक्सीलेंस सेंटर भी स्थापित किए जाएंगे, जो देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नए उभरते अवसरों को बढ़ावा देंगे। यह कदम देश के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को और अधिक सशक्त बनाने और नई तकनीकों के माध्यम से इलाज में सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। इन पहलुओं से स्वास्थ्य सेवा में सुधार, कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज के प्रति जागरूकता बढ़ाने और तकनीकी नवाचार में बढ़ावा मिलेगा।

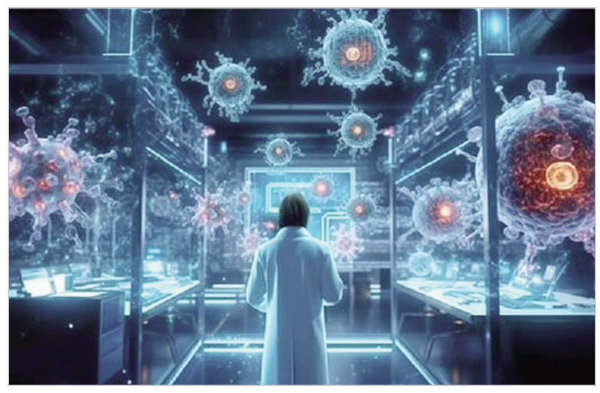

आज सुबह 11 बजे वित्त मंत्री ने अपना बजट भाषण शुरू किया, और जैसे पिछले चार बजटों की तरह, इस बजट को भी पेपरलेस तरीके से पेश किया जा रहा है।

आईसीडीडीआर ने अपने 1000 कर्मचारी किए बर्खास्त

वाशिंगटन । अमेरिकी मदद रुकने का पहला असर बांग्लादेश के इंटरनेशनल सेंटर फॉर डायरियल डिजीज रिसर्च (आईसीडीडीआर) पर पड़ा है। आईसीडीडीआर ने अपने हजार से ज्यादा कर्मचारियों को बर्खास्तगी के लेटर पकड़ दिए हैं। ये सभी कर्मचारी यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट की मदद से चलने वाले प्रोग्राम में काम कर रहे थे। इनमें से ज्यादातर अधिकारी और कर्मचारी कान्ट्रेक्ट पर थे, लेकिन हजारों रुपये महीने की सैलरी ले रहे हैं। अब इनके लिए नई नौकरी तलाशना आसान नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इंटरनेशनल सेंटर फॉर डायरियल डिजीज रिसर्च के एक सीनियर मैनेजर ने इस बात की पुष्टि की है कि सभी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार ने फंड रोक दी है। हमें अगली योजनाओं के लिए कोई फंड नहीं मिलेगा। इसलिए हम अब किसी प्रोजेक्ट पर काम नहीं कर सकते। हमारे पास इतना फंड नहीं कि इन लोगों को सैलरी दे सकें। हमें उम्मीद है कि जल्द कुछ बदलाव होगा।

सेबी की नई पहल: निवेशकों के लिए नया वित्तीय उत्पाद

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक नया और आकर्षक वित्तीय उत्पाद लाने की योजना बनाई है, जो निवेशकों के लिए एक नया होगा। इस नए उत्पाद में म्यूचुअल फंड और लाइफ इंश्योरेंस को जोड़ने की योजना है, जिससे निवेशकों को दोनों विकल्पों के साथ निवेश करने का मौका मिलेगा। सेबी की प्रमुख माधबी पुरी बुच ने इस नए उत्पाद के बारे में बताया कि इससे निवेशकों को लाइफ इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड के निवेश को जोड़ने का विकल्प मिलेगा। इसका उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में निवेशकों की जरूरतों को पूरा करना है, जहां निवेश की दर कम है। बुच ने बताया कि इस उत्पाद के माध्यम से निवेशकों को एक किफायती और आकर्षक विकल्प मिलेगा। उनके मुताबिक, इससे जीवन बीमा के प्रीमियम की सीमांत लागत कम होगी। इस पहल से सेबी का उद्देश्य है वित्तीय उत्पादों को बाजार की जरूरतों के हिसाब से तैयार करना, जिससे निवेश क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा मिले। यह पहल न केवल निवेशकों के लिए एक नया विकल्प होगा, बल्कि यह देश के विभिन्न हिस्सों में वित्तीय सेवाओं की पहुंच को भी बढ़ाएगा। इस पहल की जल्दी से लागू होने की उम्मीद है, जिससे निवेशकों को एक नया और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

भारत में सर्विस टैक्स का सफर: 1994 से GST तक का ऐतिहासिक बदलाव

बिजनेस डेस्क:

आजादी के बाद से भारत में सरकारों ने आर्थिक व्यवस्था को सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिनमें कर प्रणाली को लागू करना सबसे अहम था। भारत में सर्विस टैक्स की शुरुआत 1994 में हुई, जो देश की आर्थिक नीतियों में एक बड़ा बदलाव माना जाता है। इसे तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की देखरेख में कांग्रेस सरकार ने लागू किया था, जिसका मुख्य उद्देश्य सेवा क्षेत्र से राजस्व जुटाना और आर्थिक सुधारों को गति देना था।

आर्थिक सुधारों के लिए नई पहल

1990 के दशक में भारत गहरे आर्थिक संकट से जूझ रहा था। वैश्विक मुद्रा कोष (IMF) से मदद लेने के साथ-साथ आर्थिक सुधारों की सख्त जरूरत थी। इस दौरान सेवा क्षेत्र को औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाना जरूरी हो गया था।

डॉ. मनमोहन सिंह ने 1994-95 के केंद्रीय बजट में सर्विस टैक्स लागू करने की घोषणा की। शुरुआत में इसे सिर्फ तीन सेवाओं- टेलीफोन, स्टॉक ब्रोकर और जनरल इंश्योरेंस- पर लागू किया गया था। उस समय सर्विस टैक्स की दर सिर्फ 5त्न थी।

भारतीय राजस्व में अहम योगदान

शुरुआती दौर में सर्विस टैक्स से मिलने वाला राजस्व सीमित था लेकिन जैसे-जैसे सेवाओं की श्रेणियां बढ़ती गईं, इसका योगदान भी बढ़ता गया। 21वीं सदी के पहले दशक तक यह भारतीय राजस्व संग्रह का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका था। हालांकि, सर्विस टैक्स के लागू होते ही इसकी आलोचना भी शुरू हो गई थी। विपक्षी दलों और छोटे व्यापारियों ने इसे मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त बोझ के रूप में देखा। कई लोगों का मानना था कि इससे अप्रत्यक्ष कर प्रणाली और अधिक जटिल हो जाएगी।

GST के रूप में नई कर प्रणाली

सर्विस टैक्स ने भारत में अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया। 1 जुलाई 2017 को जब वस्तु एवं सेवा कर (GST) लागू किया गया, तो सर्विस टैक्स को भी इसमें शामिल कर लिया गया। इससे भारत में एक एकीकृत कर प्रणाली की शुरुआत हुई, जिससे कर प्रक्रिया को आसान बनाने और टैक्स चोरी को रोकने में मदद मिली। इस तरह, सर्विस टैक्स ने भारत के आर्थिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और त्रस्न्ञ के रूप में एक नई कर प्रणाली का मार्ग प्रशस्त किया।

गैलेक्सी एस 25 सीरीज के नए स्मार्टफोन्स पेश

नई दिल्ली ।

साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग ने अपनी गैलेक्सी एस 25 सीरीज के नए स्मार्टफोन्स को पेश किये है। चालू साल के अंत में सैमसंग द्वारा नेक्स्ट जनरेशन फोल्डेबल स्मार्टफोन्स यानी सैमसंग गैलेक्सी झेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी झेड फलीप 7 को लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

पिछले कुछ हफ्तों में, कथित हैंडसेट के बारे में डिस्प्ले, चिपसेट और प्रोडक्शन यूनिट सहित कई डिटेल ऑनलाइन सामने आई हैं। अब एक टिप्स्टर ने अपकमिंग सैमसंग गैलेक्सी झेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी झेड फलीप 7 की संभावित कीमत को लेकर संकेत दिए हैं। आइए जानते हैं भारत में कितनी हो सकती है इन फोन्स की कीमत। एक जानकारी के मुताबिक, सैमसंग गैलेक्सी झेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी झेड फलीप 7 अधिकांश बाजारों में गैलेक्सी झेड फलीप 6 और गैलेक्सी झेड फलीप 6 जैसी कीमतों पर लॉन्च होंगे। लॉन्च के समय, भारत में गैलेक्सी झेड फोल्ड 6 की कीमत 12जीबी + 256जीबी ऑप्शन के लिए 1,64,999 रुपये से शुरू हुई थी। जबकि 512जीबी और 1टीबी वेरिएंट की कीमत क्रमशः 1,76,999 रुपये और 2,00,999 रुपये तय की गई थी। वहीं, गैलेक्सी झेड फलीप 6 के 12जीबी + 256जीबी वेरिएंट की कीमत 1,09,999 रुपये और 512जीबी वेरिएंट की कीमत 1,21,999 रुपये रखी गई थी। यानी ये माना जा सकता है कि गैलेक्सी झेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी झेड फलीप 7 देश में मौजूदा मॉडल्स वाली कीमतों पर ही आ सकते हैं, जिन्हें ऊपर लिखा गया है। गैलेक्सी झेड फलीप 7 को लेकर ये जानकारी मिली है कि इसमें 8-इंच की इनर स्क्रीन और 6.5-इंच का कवर डिस्प्ले होगा।

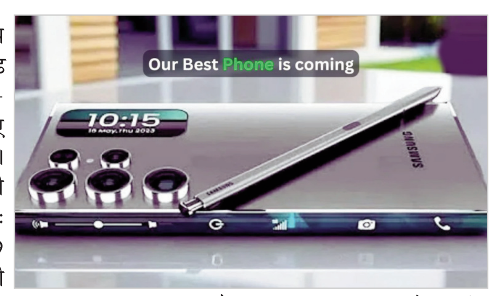

वहीं, गैलेक्सी झेड फलीप 7 में 6.85-इंच मेन स्क्रीन और 4-इंच का आउटर पैनल हो सकता है। फोटोग्राफी के लिए गैलेक्सी झेड फलीप 7 में 50एमपी प्राइमरी कैमरा , 12एमपी अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा और 10 एमपी का सेल्फी कैमरा मिल सकता है। एक पुरानी रिपोर्ट में ये दावा किया गया था कि सैमसंग 2025 में गैलेक्सी झेड फलीप 7 के तीन मिलियन यूनिट्स और गैलेक्सी झेड फोल्ड 7 के दो मिलियन यूनिट्स प्रोड्यूस करना चाहता है। इनमें एक्सीनोस 2500 चिपसेट्स हो सकते हैं, जिसे अभी लॉन्च नहीं किया गया है।

भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग में एक नई धमाकेदार एंट्री: किआ सोरोस

नई दिल्ली । दिल्ली, भारत- यात्री वाहन बनाने वाली विश्वस्त कंपनी किआ इंडिया ने अपने नए एसयूवी की स्वर्णिम शुरूआत की घोषणा की है। किआ सोरोस का एक्स शोरूम मूल्य घोषित करते हुए, कंपनी ने बाजार में एक मजबूत पहचान बनाने की उम्मीद जताई है। किआ इंडिया के अधिकारी ने बताया कि भारत में एसयूवी की मांग में वृद्धि हो रही है और किआ सोरोस इस आगे बढ़ने वाली मांग को पूरा करने के लिए तैयार है। इस एसयूवी में प्रीमियम सुविधाएं, उन्नत तकनीक और आकर्षक डिज़ाइन शामिल हैं। किआ सोरोस के रहने वाले ग्राहकों के लिए कंपनी ने विस्तारित गारंटी और मरम्मत के बेहतरीन पैकेज पेश किए हैं। इसके साथ ही, एक अतुलनीय ग्राहक अनुभव के लिए नवीनतम स्वामित्व कार्यक्रम भी शामिल किए गए हैं। किआ सोरोस की बुकिंग शुरू हो चुकी है और इसकी कीमत और विस्तारित सुविधाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए आप नजदीकी किआ डीलरशिप से संपर्क कर सकते हैं। इस उत्कृष्ट एसयूवी से भारतीय ड्राइवरों को उम्मीद है कि वे उच्च गुणवत्ता वाहन का आनंद लेंगे और इससे उनकी यात्रा को और भी अनुभवी बनाने में मदद मिलेगी।

किसान क्रेडिट कार्ड के लिए ब्याज सहायता योजना बढ़कर पांच लाख

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के ब्याज सहायता योजना में बड़ा बदलाव किया। उन्होंने घोषणा की कि किसानों के लिए केसीसी की सीमा को तीन लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है। यह फैसला किसानों को ऋण की सुविधा में बड़ी राहत देगा। सरकार ने व्यापारियों और कृषि उद्यमों के लिए भी बड़े प्रोत्साहन का ऐलान किया है। सीतारमण ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए ऋण गारंटी कवर बढ़ाई जाएगी। इससे उद्यमियों को ऋण लेने में आसानी होगी और उनकी कार्ज गुणतक सुधारेगा। वित्त मंत्री ने और भी उद्यमियों के लिए नई राहत को बढ़ावा देने की घोषणा की है।

सरकार ने पांच लाख रुपये की सीमा वाले कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड की भी घोषणा की है। इसके जरिए उद्यमियों को और भी अधिक विकास की संभावनाएं मिलेंगी। किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा अब 7.7 करोड़ किसानों,

मछुआरों और डेयरी किसानों के लिए उपलब्ध होगी। इसके बाद किसानों को ऋण की प्राप्ति में बढ़ी सुविधा मिलेगी।

सरकार व्यापार उद्यमों को भी बड़े हिस्से में सहायता पहुंचाएगी। संचालित निर्यातोन्मुख एमएसएमई को 20 करोड़ रुपये तक का सावधान ऋण प्रदान किया जाएगा जिससे इन उद्यमों की वृद्धि में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा।

मात्र 25 हजार की टोकन राशि देकर बुक करा सकते हैं मारुति सुजुकी ई वितारा

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी ई वितारा की बुकिंग शुरू हो चुकी है। मात्र 25,000 रुपये की टोकन राशि देकर ग्राहक इसे बुक कर सकते हैं।

अगर आप मारुति सुजुकी ई वितारा को लेने के बारे में सोच रहे हैं तो अपने नजदीकी नेक्सा डीलरशिप से संपर्क कर सकते हैं।

इस इलेक्ट्रिक गाड़ी में ऑटो होल्ड के साथ इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, तीन ड्राइव मोड (इको, नॉर्मल और स्पोर्ट), सिंगल-ज़ोन ऑटो क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस फोन चार्जर, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट, पावर्ड ड्राइवर सीट, रिक्लाइनिंग, 60:40 स्प्लिट रियर सीट, 7 एयरबैग और लेवल 2 अडास जैसे फीचर्स दिए गए हैं। भारत में ई विटारा को 49केडब्ल्यूएच और 61केडब्ल्यूएच बैटरी पैक में पेश किया है। इसकी 49केडब्ल्यूएच की बैटरी 144एचपी, 189एनएम फ्रंट एक्सल-माउंटेड मोटर का उपयोग करती है, जबकि 61केडब्ल्यूएच की बैटरी में

174एचपी, 189एनएम फ्रंट इलेक्ट्रिक मोटर और रियर-माउंटेड 65एचपी मोटर के साथ एडब्ल्यूडी क्षमता है, जो संयुक्त रुप में 184 एचपी, 300 एनएम जेनरेट करता है।

सबसे ज्यादा निर्यात होने वाला मॉडल बनी मारुति सुजुकी जिम्मी 5-डोर

नई दिल्ली ।

साल 2024-25 के वित्तीय वर्ष में मारुति सुजुकी का दूसरा सबसे ज्यादा निर्यात होने वाला मॉडल जिम्मी 5-डोर बन गया है। भारत में निर्मित मारुति सुजुकी जिम्मी 5-डोर को अब जापान में आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया गया है।

कंपनी ने इस लॉन्च को अपने वैश्विक विस्तार के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया है। जिम्नी 5-डोर को पहली बार ऑटो एक्सपो 2023 में प्रदर्शित किया गया था। इस एसयूवी का उत्पादन हरियाणा के गुड़गांव स्थित संयंत्र में किया जाता है और इसे लगभग 100 देशों में निर्यात किया जा रहा है। जापान में इसके लॉन्च के साथ ही सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के घरेलू बाजार में यह फॉक्स के बाद दूसरा एसयूवी मॉडल बन गया है। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी ताकेची ने इसे कंपनी की वैश्विक निर्माण क्षमता का प्रमाण बताया। जिम्मी का इतिहास 50 वर्षों से अधिक पुराना है और अब तक इसकी 35 लाख से अधिक यूनिट्स 199 देशों और क्षेत्रों में बेची जा चुकी हैं। इससे पहले जापान में केवल जिम्मी का 3-डोर संस्करण उपलब्ध था, लेकिन अब 5-डोर मॉडल की लॉन्चिंग से इसकी लोकप्रियता और भी बढ़ने की उम्मीद है।

यह लैडर फ्रेम चेसिस पर आधारित है और इसमें ऑलग्रीप प्रो 4डब्ल्यूडी तकनीक दी गई है, जिससे बेहतर ऑफ-रोडिंग क्षमता मिलती है। मारुति सुजुकी ने 2024 में अब तक 3.23 लाख से अधिक वाहन निर्यात किए हैं, जिससे यह भारत की सबसे बड़ी पैसेंजर व्हीकल निर्यातक कंपनी बन गई है।यह दमदार ऑफ-रोड एसयूवी 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन (के15बी) के साथ आती है, जो 105 पीएस की पावर और 134एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 5-स्पीड मैन्युअल और 4-स्पीड ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन के विकल्प दिए गए हैं।

19 किलोग्राम वाला एलपीजी गैस सिलेंडर 7 रुपए सस्ता हुआ

- घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 1 अगस्त 2024 से कोई बदलाव नहीं हुआ

नई दिल्ली । आम बजट 2025 पेश होने से पहले ही कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घट गए हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 फरवरी से 19 किलोग्राम सिलेंडर में एलपीजी की कीमतों में 4 रुपये से 7 रुपये की कटौती की है। यह लगातार दूसरा महीना है जब एलपीजी की कीमतें कम हुई हैं। ओएमसी हर महीने की शुरुआत में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में संशोधन करती हैं। 1 फरवरी को एलपीजी गैस सिलेंडर के रेट में 7 रुपये की कटौती हुई है। हालांकि यह केवल 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं के लिए है। घरेलू गैस सिलेंडर यानी 14 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम में 1 अगस्त 2024 से कोई बदलाव नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इंडियन ऑयल के अनुसार दिल्ली में 1 फरवरी से 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 1797 रुपये का हो गया है। इससे पहले जनवरी में कीमत 1804 रुपये थी। इस बार भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में कोई कटौती नहीं हुई है। पिछली बार रसोई गैस वाले सिलेंडर में कटौती अगस्त 2024 में हुई थी। दिल्ली में 14 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 803 रुपये में मिल रहा है। लखनऊ में कीमत 840.50 रुपये, जबकि कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में कीमतें क्रमशः 829, 802.50 और 818.50 रुपये है। एलपीजी की कीमतों में लेटेस्ट प्राइस कट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट 2025 भाषण से पहले आया है। ऐसे में उम्मीद है कि फाइनेंस मिनिस्टर पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पाद शुल्क में संशोधन कर सकती हैं।

रिद्धिमान साहा का क्रिकेट से संन्यास, साथियों ने कंधों पर बिठाकर दी विदाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिद्धिमान साहा ने आखिरकार क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। पंजाब के खिलाफ मुकाबला जीतने के बाद उन्हें बंगाल टीम के साथियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। वह उन्हें कंधों पर बिठाकर मैदान से बाहर भी लाए। इस बीच भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी विकेटकीपर बल्लेबाज के क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद क्रिकेट के खेल पर 'अमिट छाप' छोड़ने के लिए रिद्धिमान साहा को बधाई दी। बहरहाल, शमी ने लिखा- आज हम भारतीय क्रिकेट के सच्चे दिग्गज रिद्धिमान साहा को विदाई दे रहे हैं। मैदान के अंदर और बाहर उनके शानदार ग्लव वर्क और अनगिनत यादगार पलों ने एक अमिट छाप छोड़ी है। रणजी ट्रॉफी से लेकर राष्ट्रीय टीम तक, उनके समर्पण और जुनून ने हम सभी को प्रेरित किया है। आपके अगले अध्याय के लिए शुभकामनाएं, रिद्धिमान। आपकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी!

141 प्रथम श्रेणी मैचों में साहा ने 48.68 की औसत से 7,169 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक और 44 अर्द्धशतक शामिल हैं। 40 वर्षीय ने आखिरी बार भारत के लिए दिसंबर 2021 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साहा ने 40 टेस्ट मैचों में 29.41 की औसत से 1,353 रन बनाए, साथ ही नौ वनडे भी खेले। आईपीएल 2025 नीलामी में उनपर दांव नहीं लगा। साहा ने 2008 के बाद से हर आईपीएल सीजन में खेला है। वह हाल ही में गुजरात टाइटन्स के साथ थे, जिसने साल 2022 का खिताब जीता था। वह कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के साथ भी खेले हैं। 2014 फाइनल में उन्होंने शतक भी लगाया था।

40 वर्षीय खिलाड़ी ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीज़न के दौरान क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। साहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया था कि क्रिकेट में एक यादगार यात्रा के बाद, यह सीज़न मेरा आखिरी होगा। मैं अंतिम बार बंगाल का प्रतिनिधित्व करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं, संन्यास लेने से पहले केवल रणजी ट्रॉफी में खेल रहा हूं। आइए इस सीजन को यादगार बनाएं!

विराट कोहली को नहीं मिली दूसरी पारी, दिल्ली जीता, बड़ा सवाल- कैसे लौटेंगे फार्म में

कराची (एजेंसी)। नई दिल्ली - कप्तान आयुष बडोनी (99) और सुमित माथुर (86) शानदार पारियों के बाद शिवम शर्मा (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर दिल्ली ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले के तीसरे दिन रेलवे को पारी और 19 रन से हरा दिया है। दिल्ली ने आज सात विकेट पर 334 रनों से आगे खेलना शुरु किया। रेलवे के गेंदबाजों ने आज दिल्ली की पारी को 374 स्कोर पर रोक दिया। दिन का पहला विकेट सिद्धांत शर्मा (18) के रूप में गिरा। सुमित माथुर (86) को हिमांशु सांगवान ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद सांगवान ने मनी ग्रेवाल (0) को आउट कर दिल्ली की पारी का अंत कर दिया। इसी के साथ दिल्ली को 133 रनों की बढ़त मिल गई। रेलवे की ओर से हिमांशु सांगवान ने 4 विकेट लिए। कुनाल यादव को 3 विकेट मिले। राहुल शर्मा, आयन चौधरी और कर्ण शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी रेलवे की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में कप्तान सूरज अहूजा (एक) का विकेट गंवा दिया। उन्हें सिद्धांत शर्मा ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद शिवम शर्मा ने विवेक सिंह (12) और मोहम्मद सैफ (31) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। भार्गव मेराई (एक) को नवदीप सैनी ने बोल्ड आउट किया। उपेंद्र यादव (19), कर्ण शर्मा (16), हिमांशु सांगवान (एक) और राहुल शर्मा (तीन) रन बनाकर आउट हुए। कुनाल यादव (0) को आउट कर आयुष बडोनी ने रेलवे की पारी को 114 के स्कोर पर समेट दिया। इसी के साथ दिल्ली ने पारी और 19 रनों से मुकाबला जीत लिया। दिल्ली की ओर शिवम शर्मा ने 33 रन देकर 5 विकेट लिए। नवदीप सैनी, सिद्धांत शर्मा और मनी ग्रेवाल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। रेलवे ने पहली पारी में 241 रन बनाए थे।

विराट कोहली के हालिया प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। टेस्ट क्रिकेट में कोहली बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका के खिलाफ कमजोर रहे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में केवल 6 रन बनाए और साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो पारियों में 58 रन बनाए, जिससे उनका औसत 21.33 रहा। ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने एक शतक जरूर लगाया लेकिन बाद में संघर्ष करते दिखे। चैंपियंस ट्रॉफी आने वाली है। ऐसे में कोहली ने फार्म में वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट का रुख किया था।

कोहली की सुरक्षा में चूक, तीन प्रशंसक मिलने मैदान पर पहुंचे

नई दिल्ली । दिल्ली और रेलवे के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान शनिवार को तब सुरक्षा में बड़ी चूक हुई जब तीन उत्साही प्रशंसक विराट कोहली से मिलने के लिए मैदान में पहुंच गए। प्रशंसकों के लिए अपने क्रिकेट नायकों से मिलने के लिए सुरक्षा घेरा तोड़ना आम बात है लेकिन ऐसा अक्सर अंतरराष्ट्रीय मैचों में देखने को मिलता है लेकिन कोहली की रणजी ट्रॉफी में 13 साल बाद वापसी करने के कारण दर्शक स्टेडियम में पहुंच रहे हैं जबकि अमूमन रणजी ट्रॉफी मैच खाली स्टेडियम में होते हैं। मैच में कोहली की उपस्थिति के कारण कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है लेकिन इसके बावजूद 3 प्रशंसक 20 से अधिक गार्डों के समूह को चकमा देकर मैदान पर पहुंच गए।

महिला एशेज 2025: ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को मात देकर रचा इतिहास, एशेज में बना ये महारिकॉर्ड

स्पोर्ट्स डेस्क । ऑस्ट्रेलिया महिला टीम और इंग्लैंड महिला टीम के बीच एशेज 2025 खेली जा रही थी जिसे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के बीच तीन वनडे, तीन टी20 इंटरनेशनल और एक टेस्ट खेला गया। सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने कमाल करते हुए इंग्लैंड का पूरी तरह सूपड़ा साफ कर दिया। महिला कंगारू टीम ने सिर्फ एक फॉर्मेट की सीरीज में इंग्लैंड का सूपड़ा साफ नहीं किया बल्कि तीनों फॉर्मेट में इंग्लैंड को क्लीन स्वीप किया।

ये मल्टी फॉर्मेट एशेज के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि जब ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड का तीनों फॉर्मेट की सीरीज में सूपड़ा साफ किया हो। इस तरह ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने 2025 की एशेज जीतकर इतिहास रच दिया।

पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली गई, सीरीज के पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट से जीत अपने नाम की। फिर दूसरे वनडे में कंगारू टीम ने 21 रनों से जीत अपने खाते में डाली। इसके बाद सीरीज के आखिरी वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने 86 रनों से जीत अपने नाम की।

इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली गई। टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 57 रनों से जीत दर्ज की। फिर दूसरे मुकाबले में कंगारू टीम ने डीएलएस के तहत 6 रन से जीत हासिल की। इसके बाद आखिरी टी20 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 72 रनों से हराया।

फिर आखिर में दोनों टीमें एकलौते टेस्ट मैच के लिए भिड़ी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को एक पार और 122 रनों से करारी शिकस्त दी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड का एशेज में पूरी तरह सूपड़ा साफ कर दिया।

कनकशन सब्स्टीट्यूट बनकर उतरे हर्षित राणा... खड़ा हो गया विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पुणे टी20 मैच के दौरान हर्षित राणा को बतौर कनकशन सब्स्टीट्यूट उतारा इस लेकर विवाद हो गया। शिवम दुबे को मैच के दौरान बल्लेबाजी कर हेलमेट पर बॉल लगी थी। इसके बाद वे गेंदबाजी करने नहीं उतरे और उनकी जगह पर हर्षित को मैदान में बुलाया गया। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया और 3 विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कनकशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर उन्हें खेलने का मौका मिला लेकिन लोग इसे इम्पैक्ट प्लेयर बता रहे हैं।

पुणे टी20 में भारत ने पहले बल्लेबाजी कर 9 विकेट पर 181 रन का लक्ष्य दिया था।लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम 19.4 ओवर में 166 रन पर सिमट गई। राणा ने 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं रवि बिश्नोई ने 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट झटके। वरुण चक्रवर्ती ने 2 जबकि अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह ने 1 इंग्लिश बल्लेबाज को चलाता किया। भारत ने 15 रन से मैच जीतकर सीरीज में 3-1 की बढ़त बना ली। मैच खत्म होने के बाद इंग्लिश कप्तान जोस बटलर ने हर्षित को कनकशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर शिवम दुबे की जगह मैच में उतारने पर सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा यह लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट नहीं है।

आईसीसी ने मैच के दौरान गंभीर रूप से चोटिल खिलाड़ी की जगह प्लेइंग इलेवन में संभावित लिस्ट में शामिल खिलाड़ियों में से किसी को मैदान पर उतारने का नियम बनाया है। आईसीसी के नियम के मुताबिक जो खिलाड़ी चोटिल होता है उसकी क्षमता का खिलाड़ी मैदान पर उतारा जा सकता है। गेंदबाज की जगह गेंदबाज, बल्लेबाजी की जगह बल्लेबाज, विकेटकीपर और ऑलराउंडर की जगह भी खिलाड़ी रिप्लेस कर सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान इम्पैक्ट प्लेयर के नियम का प्रयोग होता है। आईसीसी ने इस नियम को अभी तक इंटरनेशनल मुकाबलों में लागू नहीं किया है। नियम के मुताबिक मैच के दौरान पहली पारी और दूसरी पारी के बीच में दोनों ही टीम को किसी एक खिलाड़ी के बदले दूसरे खिलाड़ी को शामिल करने का मौका मिलाता है। जैसे पहले पारी में बल्लेबाजी कर चुके खिलाड़ी को गेंदबाज से बदला जा सकता है।

कनकशन सब्स्टीट्यूट और इम्पैक्ट प्लेयर में क्या हैं

मूलभूत अंतर

ये दोनों ही नियम एक दूसरे से बिल्कुल जुदा हैं। एक ओर जहां कनकशन सब्स्टीट्यूट में सिर्फ समान क्षमता के खिलाड़ी ही खेल सकते हैं, वहीं इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर किसी भी खिलाड़ी को उतारा जा सकता है। कनकशन में अगर कोई बल्लेबाज चोटिल होकर मैदान से बाहर आता है, तब सब्स्टीट्यूट के तौर पर आने वाली खिलाड़ी सिर्फ फील्डिंग कर सकता है। वहीं इम्पैक्ट प्लेयर पहली पारी में बल्लेबाजी कर चुके बैटर की जगह आने वाला गेंदबाज हो सकता है जो टी20 में पूरे 4 ओवर गेंदबाजी कर सकता है।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में इंडिया मास्टर्स की तरफ से खेलेंगे युवराज सिंह

मुंबई - दो बार के विश्व कप विजेता और बाएं हाथ के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक युवराज सिंह 22 फरवरी से 16 मार्च तक होने वाले इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) के पहले सत्र में इंडिया मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। युवराज ने 2007 में खेले गए पहले टी20 विश्व कप में भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के 1 ओवर में 6 छक्के लगाए थे। इसके बाद उन्होंने 2011 में भारत की वनडे विश्व कप में जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हें अपने ऑलराउंड खेल के कारण इस टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। युवराज के अलावा दक्षिण अफ्रीका के जेपी डुमिनी और श्रीलंका के उपुल थरंगा ने भी इस टूर्नामेंट में खेलने की पुष्टि कर दी है। डुमिनी दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स के लिए खेलेंगे जबकि थरंगा श्रीलंका मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत के पास फिर से द.अफ्रीका को हराने का मौका, इस बार मौका महिला टीम को

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पास क्रिकेट का एक और विश्व खिताब जीतने का मौका है। टीम के पास यह मौका महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप में आया है, इसमें महिला टीम फाइनल में पहुंच चुकी है। भारतीय महिला टीम फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। फैंस को उम्मीद है कि भारत लगातार दूसरी बार यह खिताब जीतेगा। भारत-दक्षिण अफ्रीका का फाइनल मुकाबला दोपहर 12:00 बजे शुरू होगा। यह एक साल के अंदर दूसरा मौका है, जब भारत और द.अफ्रीका आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ने वाले है। भारत ने पिछले साल रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में द.अफ्रीका को ही हराया था।

महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप में भारत का अब तक का अभियान शानदार रहा है। महिला टीम ने टूर्नामेंट में अपने सभी 6 मैच जीते हैं। कप्तान निकी प्रसाद की अगुवाई वाली टीम ने अभी तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। भारत ने वेस्टइंडीज (9 विकेट), मलेशिया (10 विकेट), श्रीलंका (60 रन), बांग्लादेश (8 विकेट), स्कॉटलैंड (150 रन) और इंग्लैंड (सेमीफाइनल में 9 विकेट) पर आसान जीत दर्ज की। भारतीय ओपनर बल्लेबाज गोंगडी त्रिशा शानदार फॉर्म में हैं और 6 पारियों में 66.25 की औसत से 265 रन बनाकर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उनकी ओपनिंग साझेदार जी कमलिनी ने उनका अच्छा साथ दिया है। कमलिनी 6 पारियों में 45 की औसत से 135 रन बनाकर सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

लेकिन इसके बाद भी भारत के लिए चिंता का विषय मध्यक्रम की बल्लेबाज हैं, जिन्हें अभी तक खेलने का बहुत कम मौका मिल पाया है। टीम ने गेंदबाजी विभाग में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। स्पिनर वैष्णवी शर्मा और आयुषी शुक्ला सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची पहले दो स्थान पर है। वैष्णवी 3.40 की औसत से 15 विकेट लेकर सबसे आगे हैं। आयुषी ने अब तक 5.91 की औसत से 12 विकेट लिए हैं। उम्मीद है कि यह जोड़ी फाइनल में भी यहां अहम भूमिका निभाएगी। दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर 5 विकेट की शानदार जीत के बाद पहली बार आईसीसी महिला अंडर19 टी20 विश्व कप फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है।

भारतीय टीम: निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका चालके, जी त्रिशा, कमलिनी जी, भाविका अहिरे, ईश्वरी अवसरे, मिथिला विनोद, जोशीता वीजे, सोनम यादव, परुनिका सिसोदिया, केसरी द्रिथि, आयुषी शुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम, वैष्णवी एस शामिल है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम: सिमोन लॉरेन्स, काराबो मेसो, कायला रेनेके (कप्तान), जेम्मा बोथा, सेशनी नायडू, दियारा रामलाकन, मोनालिसा लेगोडी, नथाबिसेंग निनी, फे काउलिंग, जे-ले फिलेंडर, लुयांडा नजुजा, डी वैन रेंसबर्ग, मिके वैन वूरस्ट, एशले वैन विक, चैनल वेंटर शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पारी और 242 रन से हराकर रच दिया इतिहास

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पहले टेस्ट मैच में पारी और 242 रन से हराकर इतिहास रच दिया। यह ऑस्ट्रेलिया की एशियाई सरजमीं पर सबसे बड़ी टेस्ट जीत है। गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी स्टीव स्मिथ ने की, जो सात साल बाद किसी टेस्ट सीरीज में कप्तान बने थे। इस शानदार जीत ने ऑस्ट्रेलिया के लिए एशिया में उनका सबसे बड़ा विजय अभियान साबित किया। इससे पहले, भारत के खिलाफ पारी और 226 रन की जीत ऑस्ट्रेलिया की एशिया में सबसे बड़ी जीत थी, लेकिन अब श्रीलंका के खिलाफ यह रिकॉर्ड तोड़ दिया गया है। यह ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट क्रिकेट में चौथी सबसे बड़ी जीत भी है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में ओपनर उस्मान ख्वाजा के 232 रन, स्टीव स्मिथ के 141 रन और जोस इंग्लिस के 102 रन की मदद से 654/6 पर पारी घोषित की। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम केवल 165 रन ही बना सकी। श्रीलंका की ओर से दिनेश चांदीमल ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुन्हमैन ने 5 विकेट लिए, जबकि नाथन लियोन ने 3 विकेट चटकाए।

87वां टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज : प्रज्ञानन्दा नें करूआना को हराया, गुकेश की बढ़त कायम

विज्क आन जी, नीदरलैंड । 87वें विज्क आन जी टाटा स्टील मास्टर्स सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट के 11वें दौर के मुक़ाबले के बाद मौजूदा विश्व चैम्पियन भारत के डी गुकेश नें खिताब को जीतने की ओर एक कदम और बढ़ा दिया है, गुकेश नें सफ़ेद मोहरो से चीन के वे यी से बाजी ड्रॉ खेली और वह 8 अंक बनाकर सबसे आगे बने हुए है। हालांकि उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव नें गुकेश के बराबरी में आने का मौका खो दिया वह काले मोहोरे से जर्मनी के विन्सेंट केमर के खिलाफ जीत के करीब आकर चूक गए और 7.5 अंको पर दूसरे स्थान पर है। हालांकि भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें साल 2025 की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की उन्होने काले मोहरो से यूएसए के फबियानों करूआना को पराजित करते हुए 7.5 अंक बनाकर संयुक्त दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। करूआना की हार का फायदा गुकेश को हुआ और वह लाइव विश्व रैंकिंग में अब दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी बन गए है अब उसने आगे सिर्फ नॉर्वे के मैगनस कार्लसन और यूएसए के हिकारु नाकामुरा है। भारत के लियॉन मेन्दोंसा नें जोरदार लय में चल रहे व्लादिमीर फेडोसीव को मात देकर सभी को चौंकाया तो पेंटाला हरीकृष्णा नें सर्बिया के अलेक्सी सराना को मात देकर अपनी तीसरी जीत दर्ज की। अर्जुन एरीगैसी नें नीदरलैंड के जॉर्डन फॉरेस्ट से ड्रॉ खेला।

बजट: खेलो इंडिया को सबसे ज्यादा ग्रांट, खिलाड़ी होंगे निराश

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलो इंडिया को फिर से बजट में सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खेलों के लिए आवंटन में 351.98 करोड़ रुपए की भारी बढ़ोतरी की घोषणा की। खेलो इंडिया को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह पिछले साल से 200 करोड़ रुपए अधिक है। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय को कुल मिलाकर 3,794.30 करोड़ रुपए आवंटित किए गए जोकि पिछले साल की तुलना में 351.98 करोड़ रुपए अधिक है। क्योंकि आगामी वर्ष कोई ओलिम्पिक, राष्ट्रमंडल या एशियाई खेल नहीं है, ऐसे में बजट ज्यादा नहीं बढ़ाया गया।

राष्ट्रीय खेल महासंघों को भी 340 की बजाय 400 करोड़ मिलेंगे। सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के लिए अनुदान को 42.65 करोड़ रुपए से घटा कर 37 करोड़ रुपए करने का फैसला किया है। इसी तरह की कटौती की घोषणा राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम और युवा छात्रावास के कोष में भी की गई है। बहुपक्षीय निकायों और युवा विनिमय कार्यक्रमों के लिए योगदान को हालांकि 11.70 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 55 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

डोप परीक्षण प्रयोगशाला पर ध्यान

राष्ट्रीय शिविरों के संचालन और खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए जिम्मेदार नोडल निकाय भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को 815 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 830 करोड़ रुपए आवंटित हुए हैं। राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के लिए वित्तीय वर्ष में 23 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसी तरह राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजैंसी का बजट 20.30 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 24.30 करोड़ रुपए कर दिया गया। राष्ट्रीय खेल विकास कोष में योगदान लगातार दूसरे वर्ष 18 करोड़ रुपए जारी रहेगा।

जम्मू-कश्मीर पर विशेष ध्यान

जम्मू-कश्मीर में खेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए 20 करोड़ रुपए के कोष को मंजूरी दी गई है, जो पिछले साल से 14 करोड़ रुपए ज्यादा है। बजट का एक बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के पास जाएगा जोकि स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं के चरित्र और व्यक्तित्व का विकास करता है। इसे 450 करोड़ रुपए मिलेंगे, जो पिछले वर्ष से 200 करोड़ रुपए अधिक है।

चयनकर्ता हमेशा ही बेहतरीन खिलाड़ी को बनाना चाहिए : अमरनाथ

जयपुर । पूर्व क्रिकेटर मोहिंदर अमरनाथ ने कहा है कि जब आप काफी सीनियर होते हैं तो खेल में रनों की भूख पहले की तरह नहीं रह जाती। ऐसें चयनकर्ताओं की भूमिका और अहम हो जाती है। इससे भी फर्क पड़ता है कि चयनकर्ताओं में कितना अनुभव है और उनमें क्या योग्यता है। माना जा रहा है कि अमरनाथ ने ये बात रोहित शर्मा और विराट कोहली को खराब प्रदर्शन के बाद भी टीम में बरकरार रखे जाने पर कही हैं। अमरनाथ ने कहा 'चयनकर्ता हमेशा ही बेहतरीन खिलाड़ी को बनाना चाहिए। वहीं अगर ऐसा नहीं होगा तो वे मजबूत फैसले नहीं ले पाएंगे। रोहित और विराट के बारे में फैसला कोई मजबूत चयनकर्ता ही ले सकता है।' एक कार्यक्रम में अमरनाथ ने ये बातें कहीं हैं। उन्होंने कहा, 'एक समय पर अमरनाथ नाम के साथ ही बीसीसीआई को परेशानी हो जाती थी। मेरे पिता से भी थी और फिर इसी नाम की वजह से हमसे हुई। अगर हमारा सरनेम दूसरा होता, तो हमें टीम से हटाया नहीं किया जाता।' उन्होंने कहा कि बिशन सिंह बेदी सबसे बेहतरीन कप्तान थे। वे अपने खिलाड़ियों के लिए लड़ते थे। ऐसे ही इमरान खान बेहतरीन कप्तान थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्यों की जाती है वसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा

बसंत पंचमी का त्योहार हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। यह त्योहार ज्ञान की देवी माँ सरस्वती को समर्पित है। इस दिन माँ सरस्वती की पूजा की जाती है और उन्हें पीले रंग के फूल और भोग अर्पित किए जाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, बसंत पंचमी माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के दिन मनाई जाती है। साल 2025 में, यह तिथि 2 फरवरी को सुबह 9 बजकर 14 मिनट से शुरू होगी और 3 फरवरी को सुबह 6 बजकर 52 मिनट पर समाप्त होगी। तिथि के अनुसार, बसंत पंचमी 3 फरवरी 2025 को मनाई जाएगी।

वसंत पंचमी का महत्व

भारतीय पंचांग में 6 ऋतुएं होती हैं। इनमें से वसंत को 'ऋतुओं का राजा' कहा जाता है। वसंत फूलों के खिलने और नई फसल के आने का त्योहार है। ऋतुराज वसंत का बहुत महत्व है। ठंड के बाद प्रकृति की छटा देखते ही बनती है।

इस मौसम में खेतों में सरसों की फसल पीले फूलों के साथ, आमों के पेड़ों पर आए फूल (मौर या बौर), चारों तरफ हरियाली और गुलाबी ठंड मौसम को और भी खुशनुमा बना देती है। यदि सेहत की दृष्टि से देखा जाए तो यह मौसम बहुत अच्छा होता है। इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों में नई चेतना का संचार होता है। इस ऋतु को काम बाण के लिए भी अनुकूल माना जाता है।

यदि हिन्दू मान्यताओं के मुताबिक देखा जाए तो इस दिन देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। यही कारण है कि यह त्योहार हिन्दुओं के लिए बहुत खास है। इस त्योहार पर पवित्र नदियों में लोग स्नान आदि करते हैं और इसके साथ ही वसंत मेले आदि का भी आयोजन किया जाता है। सृष्टि की रचना करते समय ब्रह्माजी ने मनुष्य और जीव-जंतु योनि की रचना की। इसी बीच उन्हें महसूस हुआ कि कुछ कमी रह गई है जिसके कारण सभी जगह सन्नाटा छाया रहता है। इस पर ब्रह्माजी ने अपने कमंडल से जल छिड़का जिससे 4 हाथों वाली एक सुंदर स्त्री, जिसके एक हाथ में वीणा थी तथा दूसरा हाथ वरमुद्रा में था तथा अन्य दोनों हाथों में पुस्तक और माला थी, प्रकट हुईं।

ब्रह्माजी ने वीणावादन का अनुरोध किया जिस पर देवी ने वीणा का मधुर नाद किया। जिस पर संसार के समस्त जीव-जंतुओं में वाणी व जलधारा कोलाहल करने लगी तथा हवा सरसराहट करने लगी। तब ब्रह्माजी ने उस देवी को 'वाणी की देवी सरस्वती' का नाम दिया। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादिनी और वाग्देवी आदि कई नामों से भी जाना जाता है। ब्रह्माजी ने माता सरस्वती की उत्पत्ति वसंत पंचमी के दिन की थी। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष वसंत पंचमी के दिन ही देवी सरस्वती का जन्मदिन मानकर पूजा-अर्चना की जाती है।

सरस्वती व्रत की विधि

वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा करनी चाहिए। प्रात:काल सभी दैनिक कार्यों से निवृत्त होने के उपरांत मां भगवती सरस्वती की आराधना का प्रण लेना चाहिए। इसके बाद दिन के समय यानी पूर्वाह्न काल में स्नान आदि के बाद भगवान गणेशजी का ध्यान करना चाहिए। स्कंद पुराण के अनुसार सफेद पुष्प, चंदन, श्वेत वस्त्रादि से देवी सरस्वतीजी की पूजा करना चाहिए। सरस्वतीजी का पूजन करते समय सबसे पहले उनको स्नान कराना चाहिए। इसके पश्चात माता को सिन्दूर व अन्य श्रृंगार की सामग्री चढ़ाएं। इसके बाद फूलमाला चढ़ाएं।

देवी सरस्वती का मंत्र

मिठाई से भोग लगाकर सरस्वती कवच का पाठ करें। मां सरस्वतीजी के पूजा के वक्त इस मंत्र का जाप करने से असीम पुण्य मिलता है।

'श्रीं ह्रीं सरस्वत्यै स्वाहा'।

मां सरस्वती का श्लोक – मां सरस्वती की आराधना करते वक्त इस श्लोक का उच्चारण करना चाहिए-

ऊँ श्री सरस्वती शुक्लवर्णां सस्मितां सुमनोहराम।।
कोटिचंद्रप्रभामुष्टपुष्टश्रीयुक्तविग्रहाम।
वह्निशुद्धां शुकाधानां वीणापुस्तकमधारिणीम।।
रत्नसारेन्द्रनिर्माणनवभूषणभूषिताम।
सुपूजितां सुरगणैब्रह्मविष्णुशिवादिभि:।।
वन्दे भक्तया वन्दिता च।

विशेष उपाय- आपका बच्चा यदि पढ़ने में कमजोर है तो वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की विधि-विधान से पूजा करें एवं उस पूजा में प्रयोग की हल्दी को 1 कपड़े में बांधकर बच्चे की भुजा में बांध दें। मां सरस्वती को 'वाणी की देवी' कहा माना जाता है इसलिए मीडिया, एंकर, अधिवक्ता, अध्यापक व संगीत आदि के क्षेत्र से जुड़े लोगों को वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा जरूर करनी चाहिए। माता सरस्वती की पूजा-अर्चना आदि करने से मन शांत होता है व वाणी में अच्छा निखार आता है। यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे परीक्षा में अच्छे नंबर लाएं तो आप अपने बच्चे के कमरे में मां सरस्वती की तस्वीर अवश्य लगाएं। जो लोग बहुत ही तीखा बोलते हैं जिस कारण उनके बने-बनाए काम भी बिगड़ जाते हैं, उन लोगों को मां सरस्वती की पूजा अवश्य करनी चाहिए।

क्यों की जाती है गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की पूजा ?

हिन्दू माह के अनुसार नवरात्रि वर्ष में चार पवित्र माह में आती है। यह चार माह है – माघ, चैत्र, आषाढ और अश्विन। चैत्र माह की नवरात्रि को बड़ी नवरात्रि और अश्विन माह की नवरात्रि को छोटी नवरात्रि कहते हैं।दरअसल, बड़ी नवरात्रि को बसंत नवरात्रि और छोटी नवरात्रि को शारदीय नवरात्रि कहते हैं। दोनों के बीच 6 माह की दूरी है। बाकी बची दो आषाढ़ और माघ माह की नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि कहते हैं।

नवरात्रि की 9 देवियां हैं

शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री। यह सभी माता सती-पार्वती और अम्बिका के ही रूप हैं।

गुप्त नवरात्रि की देवियां

1.काली, 2.तारा, 3.त्रिपुरसुंदरी, 4.भुवनेश्वरी, 5.छिन्नमस्ता, 6.त्रिपुरभैरवी, 7.धूमावती, 8.बगलामुखी, 9.मातंगी और 10.कमला। उक्त दस महाविद्याओं का संबंध अलग अलग देवियों से हैं।

प्रवृति के अनुसार दस महाविद्या के तीन समूह हैं। पहला – सौम्य कोटि (त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, मातंगी, कमला), दूसरा – उग्र कोटि (काली, छिन्नमस्ता, धूमावती, बगलामुखी), तीसरा – सौम्य-उग्र कोटि (तारा और त्रिपुर भैरवी)।

दस महाविद्याओं की पूजा : वैसे तो गुप्त नवरात्रि में भी उन्हीं नौ माताओं की पूजा और आराधना होती है लेकिन यदि कोई अघोर साधान करना चाहे तो दस महाविद्या में से किसी एक की साधना करता है जो गुप्त नावरात्रि में सफल होती है। गुप्त नवरात्रि विशेषकर तांत्रिक क्रियाएं, शक्ति साधना, महाकाल आदि से जुड़े लोगों के लिए विशेष महत्त्व रखती है। इस दौरान देवी भगवती के साधक बेहद कड़े नियम के साथ व्रत और साधना करते हैं। इस दौरान लोग लंबी साधना कर दुर्लभ शक्तियों की प्राप्ति करने का प्रयास करते हैं। भगवान विष्णु शयन काल की अवधि के बीच होते हैं तब देव शक्तियां कमजोर होने लगती हैं। उस समय पृथ्वी पर रुद्र, वरुण, यम आदि का प्रकोप बढ़ने लगता है इन विपत्तियों से बचाव के लिए गुप्त नवरात्र में मां दुर्गा की उपासना की जाती है।

वसंत पंचमी के दिन किए जाते हैं ये खास 10 कार्य

हिन्दू मान्यता के अनुसार वसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त माना जाता है। इस दिन बिना मुहूर्त जाने शुभ और मांगलिक कार्य किए जाते हैं। वसंत पंचमी परंपरागत त्योहार होने के कारण कई प्राचीन मान्यताएं भी समाज में हैं। आइए जानते हैं किन खास दिनों का पर्व हैं वसंत पंचमी-

- वसंत पंचमी के दिन को मां सरस्वती के जन्मोत्सव के रूप में मनाते हैं।
- यह दिन वसंत ऋतु के आरंभ का दिन होता है।
- इस दिन बच्चों को पहला अक्षर लिखना सिखाया जाता है। नव बालक-बालिका इस दिन से विद्या का आरंभ करते हैं।
- पितृ तर्पण किया जाता है।
- कामदेव की पूजा की जाती है।
- संगीतकार अपने वाद्ययंत्रों का पूजन करते हैं।
- स्कूलों और गुरुकुलों में सरस्वती और वेद पूजन किया जाता है।
- विद्या की देवी सरस्वती और ग्रंथों का पूजन किया जाता है।
- इस दिन पहनावा भी परंपरागत होता है। पुरुष कुर्ता-पाजामा में और स्त्रियां पीले या वासंती रंग की साड़ी पहनती हैं।
- गायन और वादन सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं जो सरस्वती मां को अर्पित किए जाते हैं।

वसंत पंचमी के दिन नील सरस्वती पूजने से होती है धन की वृद्धि

शास्त्रों में वर्णित है कि वसंत पंचमी के दिन ही शिव जी ने मां पार्वती को धन और सम्पन्नता की अधिष्ठात्री देवी होने का वरदान दिया था। उनके इस वरदान से मां पार्वती का स्वरूप नीले रंग का हो गया और वे 'नील सरस्वती' कहलाईं। वसंत पंचमी के दिन नील सरस्वती का पूजन करने से धन और सम्पन्नता से सम्बंधित समस्याओं का समाधान होता है। वसंत पंचमी की संध्याकाल को 'ऐं ह्रीं श्रीं नील सरस्वत्यै नम:' मंत्र का जाप कर गौ सेवा करने से धन वृद्धि होती है। उज्जैन में सरस्वती देवी की एक प्रतिमा सिंहपुरी क्षेत्र में बिजासन माता मंदिर के सामने प्रतिष्ठित हैं। जिन्हें सभी भक्त बरसों से स्याही अर्पित करते हैं। मान्यता है कि वही नील सरस्वती हैं।

वसंत पंचमी पर राशि अनुसार पढ़ें सरस्वती मंत्र

गुप्त नवरात्रि में पंचमी के दिन अर्थात माघ शुक्ल पंचमी के दिन मां सरस्वती का जन्म हुआ था। इस दिन से वसंत ऋतु प्रारंभ होती है। इस दिन को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन ज्ञानदायिनी मां सरस्वती की पूजा की जाती है। विद्यार्थी वर्ग को इस दिन माता का पूजन कर श्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त करने के लिए सरस्वती आराधना करना चाहिए। इस दिन यदि अपनी राशि अनुसार मंत्र का जाप करें, तो अनन्य फल प्राप्त होता है। ज्ञानदायिनी मां सरस्वती विशेष बुद्धि और विद्या का वरदान दें, इस प्रकार कामना करते हुए आराधना करें.

मेष- ऊँ महाभद्रायै नम:।
वृषभ- ऊँ महापातक नाशिन्यै नम:। मिथुन- ऊँ महाविद्यायै नम:। कर्क- ऊँ शिवानुजायै नम:। सिंह- ऊँ सुनासायै नम:। कन्या- ऊँ दिव्यांगाय नम:। तुला- ऊँ मालिन्यै नम:। वृश्चिक- ऊँ विश्वायै नम:। धनु- ऊँ सौदामिन्यै नम:। मकर- ऊँ वाग्देव्यै नम:। कुंभ- ऊँ तीव्रायै नम:। मीन-ऊँ शारदे नम:।

आ रही है वसंत पंचमी क्या करें विद्यार्थी

वसंत पंचमी सभी के लिए महत्व रखती है। वसंत पंचमी पर विद्यार्थियों को माता सरस्वती की आराधना अवश्य करनी चाहिए। जो लोग सरस्वती के कठिन मंत्र का जप नहीं कर सकते उनके लिए प्रस्तुत है मां सरस्वती के सरल मंत्र। वसंत पंचमी में इस मंत्र का पाठ करने से विद्या और बुद्धि में वृद्धि होती है।

ऊँ शारदा माता ईश्वरी मैं नित सुमरि तोय हाथ जोड़ अरजी करूं विद्या वर दे मोय।'

मां सरस्वती का सुप्रसिद्ध मंदिर मैहर में स्थित है। मैहर की शारदा माता को प्रसन्न करने का मंत्र इस प्रकार है।

ऊँ शारदा शारदांभौजवदना, वदनाम्बुजे।
सर्वदा सर्वदास्माकमं सन्निधिमं सन्निधिमं क्रियात।'

शरद काल में उत्पन्न कमल के समान मुखवाली और सब मनोरथों को देने वाली मां शारदा समस्त समृद्धियों के साथ मेरे मुख में सदा निवास करें।

सरस्वती का बीज मंत्र 'क्लीं' है। शास्त्रों में क्लींकारी कामरूपिण्यै यानी 'क्लीं' काम रूप में पूजनीय है।

नीचे दिए गए मंत्र से मनुष्य की वाणी सिद्ध हो जाती है। समस्त कामनाओं को पूर्ण करने वाला यह मंत्र सरस्वती का सबसे दिव्य मंत्र है।

सरस्वती गायत्री मंत्र : ऊँ वागदैव्यै च विद्महे कामराजाय धीमहि। तन्नो देवी प्रचोदयात।

इस मंत्र की 5 माला का जाप करने से साक्षात मां सरस्वती प्रसन्न हो जाती हैं तथा साधक को ज्ञान-विद्या का लाभ प्राप्त होना शुरू हो जाता है। विद्यार्थियों को ध्यान करने के लिए त्राटक अवश्य करना चाहिए। 10 मिनट रोज त्राटक करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। एक बार अध्ययन करने से कंठस्थ हो जाता है।

वसंत पंचमी दिन कैसे चमकाएं भाग्य 12 राशियों के लिए उपाय

हिंदू पंचांग के अनुसार, बसंत पंचमी माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के दिन मनाई जाती है। साल 2025 में, यह तिथि 2 फरवरी को सुबह 9 बजकर 14 मिनट से शुरू होगी और 3 फरवरी को सुबह 6 बजकर 52 मिनट पर समाप्त होगी। तिथि के अनुसार, बसंत पंचमी 3 फरवरी 2025 को मनाई जाएगी।

- मेष राशि- भगवान हनुमान की पूजा कर उनके बाएं चरण का सिन्दूर लेकर वसंत पंचमी से नित्य तिलक करें तथा हनुमान चालीसा का पाठ करें। विद्या व बुद्धि के लिए 'ऐं' का जप करें।
- वृषभ राशि- इमली के पत्ते 22 नग लेकर 11 पत्ते माता सरस्वती के यंत्र या चित्र पर चढ़ाएं। 11 पत्ते अपने पास सफेद वस्त्र में लपेटकर रखें, सफलता मिलेगी।
- मिथुन राशि- भगवान गणेश का यथा उपचार-पूजन कर यज्ञोपवीत चढ़ाएं तथा 21 दूर्वादल के अंकुर 21 बार 'ऊँ गं गणपतये नम:' का जप कर चढ़ाएं। विद्या प्राप्ति के विघ्न दूर होंगे।
- कर्क राशि- माता सरस्वती के यंत्र या चित्र पर 'ऊँ ऐं सरस्वत्यै नम:' जप कर आम के बौर चढ़ाएं।
- सिंह राशि – 'ऊँ ऐं नम:' गायत्री मंत्र 'नमो ऐं' से संपुटित कर जपें, लाभ होगा।
- कन्या राशि – पुस्तक, ग्रंथ इत्यादि दान करें तथा 'ऊँ ऐं नम:' का जप करें।
- तुला राशि –पुस्तक ग्रंथ तथा सफेद वस्त्र किसी ब्राह्मण कन्या को पूजन कर दान करें तथा श्वेत मिठाई खिलाएं। 'ऊँ ऐं नम:' का जप करें।
- वृश्चिक राशि – माता सरस्वती का पूजन कर श्वेत रेशमी वस्त्र चढ़ाएं तथा कन्याओं को दूध से बनी मिठाई खिलाएं। 'ऊँ ऐं सरस्वत्यै नम:' का जप करें।
- धनु राशि – माता सरस्वती का पूजन करें तथा श्वेत चंदन चढ़ाएं, श्वेत वस्त्र दान करें।
- मकर राशि – सूर्योदय के पहले ब्राह्मी नामक औषधि का सेवन कर 'ऊँ ऐं सरस्वत्यै नम:' से मंत्रित कर पी लें। सफलता कदम चूमेगी।
- कुंभ राशि – माता सरस्वती का पूजन कर कन्याओं को खीर खिलाएं तथा 'ऊँ ऐं नम:' जपें।
- मीन राशि – अपामार्ग की जड़ शास्त्रीय तरीके से निकालकर पुरुष अपनी दाहिनी भुजा तथा स्त्री अपनी बाईं भुजा पर 'ऊँ ऐं सरस्वत्यै नम:' की 11 माला, स्फटिक माला से कर सफेद वस्त्र में बांधकर धारण करें।

ऐसे व्यक्ति जिन्हें अपनी राशि इत्यादि के बारे में शंका या भ्रम हो, वे स्फटिक माला से यथाशक्ति 'ऊँ ऐं सरस्वत्यै नम:' का जप कर कन्याओं को दूध से बनी मिठाई खिलाएं।

मंदिरों में वीआईपी दर्शन पर सुप्रीम कोर्ट बोला- किसी को खास सुविधा न मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि मंदिरों में प्रवेश के मामले में किसी के साथ कोई विशेष व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन मंदिरों में वीआईपी दर्शन सुविधाओं को समाप्त करने की मांग वाली याचिका पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। हालांकि, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस सी शर्मा की पीठ ने कहा कि संबंधित अधिकारी उचित समझे जाने वाली कोई भी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं। अदालत ने कहा कि हालाँकि हमारी राय हो सकती है कि मंदिरों में प्रवेश के संबंध में कोई विशेष उपचार नहीं दिया जाना चाहिए, लेकिन हमें नहीं लगता कि यह अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने के लिए एक उपयुक्त मामला है। हम स्पष्ट करते हैं कि याचिका को खारिज करने से किसी भी तरह से रोक नहीं लगेगी। उचित अधिकारियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार कार्रवाई करने से रोकें।

याचिकाकर्ता विजय किशोर गोस्वामी की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि मंदिरों में दर्शन के लिए वीआईपी को विशेष सुविधा देना मनमाना है और संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के सिद्धांतों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई जानी चाहिए ताकि सभी को समान अवसर मिले। जब उन्होंने कहा कि एसओपी की कमी भी भगदड़ जैसी दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाओं का कारण बन रही है, तो पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता की चिंता कानून और व्यवस्था के बारे में प्रतीत होती है और याचिका उस पर विशिष्ट होनी चाहिए थी। वकील ने बताया कि देश के कुल पर्यटन क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन 50 प्रतिशत से अधिक है, और कहा कि अब 12 ज्योतिर्लिंगों और सभी शक्तिपीठों में विशेष दर्शन सुविधाओं का पालन किया जाता है। याचिका में तर्क दिया गया कि मंदिरों द्वारा निकट से दर्शन के लिए भक्तों से शुल्क लेना उन भक्तों के प्रति भेदभावपूर्ण है जिनके पास वीआईपी प्रवेश शुल्क का भुगतान करने के लिए वित्तीय संसाधन नहीं हैं।

बजट में किसानों की आय बढ़ाने की कोई योजना नहीं- राकेश टिकैत

मुजफ्फरनगर। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले पूर्ण बजट पर भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने साफ तौर पर कहा कि केंद्रीय बजट में सीधे तौर पर किसानों के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए योजना नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों को इसमें कोई खास राहत नहीं मिली है। राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों को इस बजट से कुछ ठोस उम्मीद थी। किसानों को कागजों पर तो कुछ उम्मीदें दिखाई दे रही है, लेकिन जमीनी

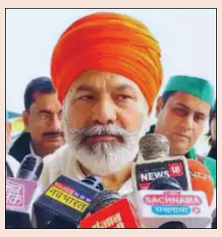

हकीकत में कोई फर्क नहीं पड़ा है। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि किसानों की समस्याओं पर अधिक ध्यान दिया जाए और बजट में उनके लिए किसी महत्वपूर्ण योजना की घोषणा हो। राकेश टिकैत ने सरकार से मांग की कि किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों के आय में वृद्धि हो। उनका जीवन स्तर बेहतर हो। उन्होंने यह माना कि इस बजट में किसानों को कोई खास सौगात नहीं मिली है। उनका मानना है कि यह किसान आंदोलन और उनकी लड़ाई की दिशा में यह बजट मददगार नहीं होगा।

शराब से कैंसर का खतरा, 24 वर्षीय युवक की हाईकोर्ट में याचिका

मुंबई। हम कई लोगों को शराब का गिलास उठाते हुए देखते हैं, कभी-कभी मजे के लिए, तो कभी-कभी हताशा के कारण। युवा पीढ़ी भी पीछे नहीं है। लेकिन अब इसी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक 24 वर्षीय यश चिलवार नाम के युवक ने शराब के मुद्दे पर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। युवक ने न्यायालय में याचिका के माध्यम से गुहार लगाते हुए कहा है कि शराब की बोतलों पर कैंसर संबंधी चेतावनी संदेश छपवाए जाएं। याचिका में कहा गया है कि जिस प्रकार सिगरेट और तम्बाकू के पैकेटों पर कैंसर की चेतावनी छपी होती है, उसी प्रकार शराब की बोतलों पर भी खतरे की चेतावनी लिखी होनी चाहिए। कैंसर की चेतावनियाँ शराब की खपत कम करने में मदद करेंगी। इस बीच, अदालत ने इस याचिका पर संज्ञान लेते हुए राज्य और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश आलोक आराधे और न्यायमूर्ति भारती डांगरे की खंडपीठ के समक्ष इस याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग को प्रतिवादी बनाने का आदेश दिया गया था। इसने केंद्रीय खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को भी नोटिस जारी कर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का आदेश दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण है कि ये विभाग क्या भूमिका निभाते हैं।

सुपौल में नदी के किनारे मिला लड़की का शव, बॉडी 5 टुकड़ों में मिली... लेकिन सिर नहीं मिला

सुपौल । सुपौल में शनिवार को नदी के किनारे एक लड़की का शव मिलने से हड़कंप मचा गया है। शव को दो अलग-अलग बोरियों में बंद कर फेंका गया था। बॉडी 5 टुकड़ों में मिली है। एक बोरी में धड़ रखा था। दूसरी में दोनों हाथ और पैर। लेकिन शव का सिर गायब है। लड़की की उम्र 20 से 25 साल की हो सकती है। धड़ पर कोई कपड़ा नहीं मिला है, इसकारण रेप की आशंका है। बताया जा रहा है कि मीट काटने वाले दबिया से लड़की के शव के टुकड़े किए गए हैं। बताया जा रहा है कि शनिवार दोपहर नदी किनारे से तेज बदबू आने पर गांव वालों को शक हुआ। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इसपर पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने 100 मीटर के दायरे में दो अलग-अलग बोरियों से शव को बरामद किया। बॉडी का सिर अब भी नहीं मिला है। इससे शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार शव की स्थिति को देखते हुए अंदाजा लगाया जा रहा है कि हत्या करीब 4-5 दिन पहले की गई होगी। बॉडी फूल चुकी है, जिससे आशंका है कि कई दिनों तक शव को छिपाकर रखा गया होगा फिर नदी किनारे फेंक दिया गया।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, बीजापुर में आठ माओवादी ढेर

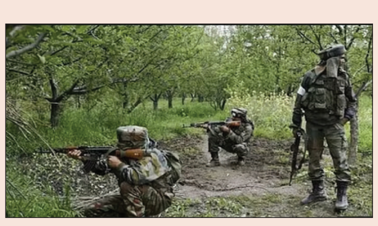

बीजापुर। बीजापुर जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र के तोडक़ा इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच चल रही मुठभेड़ आठ नक्सली मारे गए। सूत्रों के मुताबिक, मारे गए सभी नक्सलियों के शव जवानों ने बरामद कर लिए हैं। बताया जा रहा है कि अभी भी मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में डीआरजी और एसटीएफ के जवान शामिल हैं। मारे गए नक्सलियों के पास से कई स्वचलित हथियार भी बरामद हुए। जवान शनिवार की सुबह उस इलाके में पहुंचे तो माओवादियों ने जवानों को देख फायरिंग शुरू दी। इसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला और नक्सलियों की गोलियों का मुंहतोड़ जवाब दिया। वहीं इस मुठभेड़ में नक्सलियों को कितना नुकसान हुआ है यह अभी स्पष्ट नहीं है। आईजी सुंदरराज पी का कहना है कि मुठभेड़ जारी है। सर्च ऑपरेशन भी चलाया जा रहा है। इससे पहले नक्सल प्रभावित जिला गरियाबंद में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में फोर्स को बड़ी कामयाबी मिली थी। कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में 14 नक्सली मारे गये थे। वहीं, सीआरपीएफ के कोबरा यूनिट का एक जवान भी घायल हुआ था। 14 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर किए गए।

धीरेन्द्र शास्त्री पर भड़के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, कहा-वे भी यहां आकर मोक्ष प्राप्त करें

महाकुंभ नगर । ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों पर कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के बयान को लेकर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर वह किसी की मौत को मोक्ष बता रहे हैं तो खुद ही महाकुंभ में इस तरह का मोक्ष क्यों नहीं ले लेते। महाकुंभ अभी भी चल रहा है और उन्हें यहां आकर इसी तरह से मोक्ष ले लेना

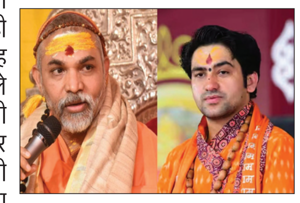

चाहिए। शंकराचार्य का साफ आरोप है कि धीरेंद्र शास्त्री ने यह बयान मामले को हल्का साबित कर कुछ लोगों को खुश करने के लिए दिया है। वह जिस अंदाज में बोल रहे हैं वह बेहद आपत्तिजनक हैं। उनके इस बयान से पीड़ित परिवार और दुखी हो रहे हैं। मौत पर पीड़ित परिवारों का दुख बांटना चाहिए ना कि उसका उपहास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संत और कथावाचक अगर ऐसा करेंगे तो लोगों को और भी तकलीफ होगी। उन्होंने कहा है कि धीरेंद्र शास्त्री के बयान से लोग इतने गुस्से में हैं कि उनसे कह रहे हैं कि अगर वह यहां दिख जाएंगे तो उन्हें धक्का दे देंगे और मोक्ष दिला देंगे। उन्होंने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि सरकार भगदड़ की घटना के बाद अब लीपापोती में जुटी हुई है और सबूत को मिटाया व कमजोर किया जा रहा है।

सम्मान के साथ मरने का अधिकार देने वाला पहला राज्य बना कर्नाटक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक ने गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों को सम्मान के साथ मरने का अधिकार देने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू किया है। यह पॉलिसी उन लोगों पर लागू होती है जिन्हें लाइलाज बीमारी है या जिनके अस्पताल में लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर होने के बावजूद ठीक होने की कोई संभावना नहीं है।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने घोषणा की कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने 'मरीजों को सम्मान के साथ मौत का अधिकार' संबंधी सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को लागू करने के लिए ऐतिहासिक आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य स्वास्थ्य विभाग ने अग्रिम मेडिकल निर्देश (एएमडी) या 'लिविंग विल' (जीवनकालीन वसीयत) जारी किया है, जिसमें मरीज भविष्य में अपने इलाज के बारे में अपनी इच्छा दर्ज करा सकते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री गुंडू राव ने कहा, सम्मान के साथ मरने का अधिकार लागू होने से उन लोगों को अत्यधिक लाभ होगा, जो असाध्य बीमारी से परेशान हैं और जिनके ठीक होने की उम्मीद नहीं है। सरकार ने एक अग्रिम चिकित्सा निर्देश भी तैयार किया है, जिसमें मरीज भविष्य में अपने उपचार के बारे में अपनी इच्छाएं दर्ज करा सकते हैं। नए नियमों के तहत, टू-स्टेप मेडिकल रिव्यू सिस्टम के तहत प्रत्येक मामले का निर्णय होगा। तीन डॉक्टरों का एक बोर्ड मरीज की स्थिति का आकलन करेगा। तीन डॉक्टरों और सरकार द्वारा नियुक्त डॉक्टर वाला एक दूसरा बोर्ड, अदालत को रिपोर्ट भेजने से पहले निष्कर्षों की समीक्षा करेगा। यदि अदालत मंजूरी दे देती है, तब चिकित्सकीय देखरेख में मरीज का लाइफ सपोर्ट हटाया जाएगा। जिससे उसका शांतिपूर्वक निधन होगा। यह प्रक्रिया मरीज के परिवार के अनुरोध के बाद ही शुरू होगी।

दरअसल कर्नाटक सरकार का यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के अनुरूप है, इसमें शीर्ष अदालत ने असाध्य बीमारी से ग्रसित रोगियों को लंबे समय तक पीड़ा झेलने से बचाने लिए सम्मान के साथ मौत का अधिकार पर विचार करने की बात कही थी। कर्नाटक सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि कोई भी न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन, सर्जन, एनेस्थेटिस्ट या इंटेंसिविस्ट, जिसे मानव अंग और ट्रांसप्लांट अधिनियम, 1994 के तहत उपयुक्त प्राधिकारी ने अनुमोदित किया गया है, उसे जिला स्वास्थ्य अधिकारी, ऐसी मौतों को प्रमाणित करने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों के द्वितीयक बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित करेगा। गोवा, महाराष्ट्र और केरल ने भी इस संबंध में कुछ नियम और निर्देश पारित किए हैं, लेकिन प्रयास अब भी अपूर्ण हैं। इस तरह कर्नाटक सम्मानजनक मौत का अधिकार लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बना है।

महबूबा की नीतीश और चंद्रबाबू नायडू से अपील, वक्फ संशोधन विधेयक को पास होने से रोकें

-दोनों को संयुक्त रूप से पत्र लिखकर की मांग

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एनडीए गठबंधन के सहयोगियों नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर संसद में पेश होने वाले वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को रोकने का आग्रह कर कहा है कि यह विधेयक मुस्लिम समुदाय के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। पीडीपी नेता महबूबा ने नायडू और नीतिश कुमार को संयुक्त रूप से पत्र लिखकर कहा कि दोनों देश के संविधान में भरोसा रखते हैं और लगातार गंगा-जमुना भाईचारे की भावना का समर्थन करते हैं।

महबूबा ने पत्र में लिखा कि एनडीए के प्रमुख सदस्यों के रूप में आप मामले को

प्रभावित करने और हमले को रोकने के लिए विशिष्ट रूप से तैनात हैं। मैं ईमानदारी से आपसे हस्तक्षेप करने और विधेयक को हमारी राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने से रोकने का आग्रह करता हूं। महबूबा ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन न केवल मुस्लिम समुदाय के हितों का खंडन करता है, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला करता है।

मुफ्ती ने कहा, यह गहरा विभाजनकारी बिल बहुसंख्यकवाद की स्पष्ट अभिव्यक्ति है, जिसने 2014 से कट्टरता को बढ़ावा दिया है और मुस्लिम समुदाय को नुकसान पहुंचाया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने जेपीसी के प्रति विपक्ष द्वारा उठाई गई शंकाओं की घोर उपेक्षा पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि असंवैधानिक और सत्तावादी बिल से सबसे अधिक प्रभावित समुदाय से परामर्श करने के किसी भी वास्तविक प्रयास के बिना परामर्श की कवायद हास्यास्पद लगती है। वक्फ के स्वामित्व वाली संपत्तियों के सुधार के रूप में तैयार किया गया, इसका असली उद्देश्य वक्फ अधिनियम की नींव को कमजोर करना है, जो धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए मुसलमानों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए समर्पित संपत्तियों की रक्षा और संरक्षण करना है। इस बीच श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र से सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी ने भी कहा है कि कुमार और नायडू दोनों को विधेयक के समर्थन में मतदान नहीं करना चाहिए।

2025 का आम बजट राजनीतिक स्वार्थ का अधिक और देशहित का कम- मायावती

लखनऊ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आम बजट पेश किया। इस दौरान उन्होंने कई बड़ी घोषणाएं की हैं। इस बजट को लेकर बसपा मुखिया मायावती ने कहा कि बीजेपी सरकार का भी बजट, कांग्रेस की ही तरह, राजनीतिक स्वार्थ का ज्यादा और जन एवं देशहित का कम लगता है। मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि देश में महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी की चरम पर है। सड़क, पानी, शिक्षा, सुख-शांति आदि की जरूरी बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण करीब 140 करोड़ की बड़ी जनसंख्या वाले भारत में लोगों का जीवन दुभर हो रहा है, जिसका केंद्रीय बजट के माध्यम से भी निवारण होना जरूरी है। उन्होंने आगे लिखा कि वर्तमान बीजेपी सरकार का भी बजट, कांग्रेस की ही तरह, राजनीतिक स्वार्थ का अधिक और जन एवं देशहित का कम लगता है। अगर ऐसा नहीं है तो इस सरकार में भी लोगों का जीवन लगातार तंग, बदहाल और दुखी क्यों? विकसित भारत का सपना बहुजनों के हित का भी होना जरूरी है। बता दें वित्त मंत्री सीतारमण ने शनिवार को बजट पेश किया। बजट में वित्त मंत्री ने किसानों और एमएसएमई सेक्टर के लिए कई अहम घोषणाएं की है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट विकास की रफ्तार बढ़ाने, समग्र विकास करने, निजी क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, घरेलू संवेदनाओं को मजबूत करने और मध्यम वर्ग के खर्च करने की क्षमता को बढ़ाने की कोशिशों का हिस्सा है।

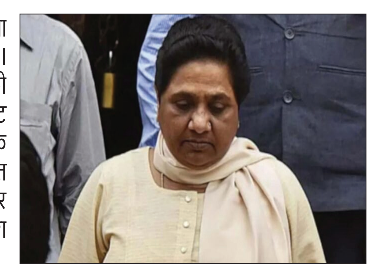

बजट पर तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया, बिहार के साथ सौतेला व्यवहार हुआ

-पप्पू यादव ने कहा, थोड़ा इनकम टैक्स बिल का इंतजार कर लो

मुंबई (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बजट पेश किया है। इस बार बजट में बिहार केंद्र में रहा। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष बजट पर प्रतिक्रिया दे रहा हैं। विपक्ष के नेता बजट का विरोध कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि बिहार के साथ सौतेला व्यवहार हुआ है। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि टैक्स से छूट का जश्न मनाने से पहले थोड़ा इनकम टैक्स बिल का इंतजार कर लो। छूट का लाभ लेने के लिए बाप-बाप करना होगा। वहीं कृषि मंत्री और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बजट की सराहना की है।

बजट पर तेजस्वी ने कहा है कि बिहार को हमेशा से मोदी और डबल इंजन की सरकार ने ठगने का काम किया है। विशेष पैकेज और विशेष राज्य की दर्ज पर बात की नहीं गई। केवल जुमला और हवाबाजी है।

2015 में हमारी सरकार आई थी तब हमारी सरकार ने बिहटा एयरपोर्ट के लिए अतिरिक्त ज़मीन अधिक्रेत कर एयरपोर्ट अथॉरिटी को दिया था। अब तक उसका काम शुरू नहीं हुआ है। ट्रेन का भाड़ा महंगा होता जा रहा है। इसमें कहीं कोई राहत नहीं है। पहले के बजट में रेल का अलग बजट आता था, इस इन लोगों ने खत्म कर दिया। बिहार के लिए पहले कहा था कि 59 हजार करोड़ का पैकेज दिया जाएगा। मुख्यमंत्री भी हमारे अचेता अवस्था में हैं। ताली पीट रहे हैं।

वहीं लालू यादव की बेटी और लोकसभा की उम्मीदवार रही रोहिणी आचार्य ने बजट पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा है कि पिछले चार दशकों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी का सृजन करने वाली सरकार का चमको अतंरिम बजट भी इंडिया शाइनिंग की ही तरह भरमाने वाला है। इनकम टैक्स में कोई बड़ी राहत-रियायत नहीं देकर मध्यम आय वर्ग के लोगों के हितों की अनदेखी पूंजीपतियों की पोषक सरकार ने एक बार फिर की है।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा 12 लाख की आय पर टैक्स से छूट का जश्न मनाने से पहले थोड़ा इनकम टैक्स बिल का इंतजार कर लो। जीएसटी की तरह नया इनकम टैक्स बिल में इतना झोल होगा कि 12 लाख तक की छूट का लाभ लेने के लिए बाप-बाप करना होगा। यह सरकार किसी की सगी नहीं। ठगी के अलावा कुछ करती नहीं दिल्ली चुनाव के बाद काली नीयत।

1600 दिनों से जेल में बंद उमर खालिद की रिहाई को लेकर उठी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कन्हैया कुमार, उमर खालिद और शरजील इमाम ये सारे नाम कभी सुर्खियों में थे। ये सारे जेएनयू के छात्र थे। कुछ पढ़ने और कुछ बनने आए थे। लेकिन किस्मत ने किसी को कही और किसी को कही पहुंच दिया। संसद हमले के दोषी अफजल गुरु की फांसी के खिलाफ साल 2016 में जेएनयू कैंपस में विरोध प्रदर्शन हुआ और तभी देश विरोधी नारे लगने के आरोप में ऐसा हंगामा शुरू हुआ कि आज तक खत्म नहीं हुआ है। तब ये सभी चेहरे बीजेपी विरोधियों के हीरो और बीजेपी समर्थकों के लिए खलनायक बन गए थे। कन्हैया कुमार, उमर खालिद सहित कई जेएनयू के छात्र जेल में डाल दिए गए और बाद में जमानत पर बेल पर रिहा भी हुए। जेएनयू विवाद से कन्हैया के राजनीति में आने का रास्ता भी खुला। लेकिन उमर खालिद का नाम लगातार बड़े विवाद, हिंसा की घटनाओं और देश विरोधी साजिशों में आता रहा। उमर खालिद का एजेकुशन बॉयोडेटा जितना हैवी है उससे ज्यादा उनके आरोपों की फाइल भी भारी हो चुकी है। झारखंड के आदिवासी पर पीएचडी की पढ़ाई के दौरान ही नेता बने खालिद सीएए एनआरसी के विरोध प्रदर्शन में शाहीन बाग में हुए प्रदर्शन में भी शामिल हुए। फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों में 53 लोगों की जान गई और 700 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए। सितंबर 2020 में उमर खालिद को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। उन पर दंगा भड़काने, साजिश रचने और भड़काने का आरोप लगा।

आतंकवादी विरोधी कानून यूएपीए में उन्हें गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया गया। तब से अभी तक खालिद की रिहाई नहीं हुई है। खालिद के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज हुई थी। इसमें से एक में उन्हें जमानत मिल गई थी जबकि दूसरे यूएपीए में सुनवाई पूरी नहीं हुई है। 1600 दिनों से खालिद जेल में बंद है। समाज का एक वर्ग उमर खालिद के प्रति सहानुभूति दिखा रहा है। मोदी सरकार से लड़ने वाले एक हीरो की तरह पेश कर रहा है। पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश हो रही है। ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों उमर खालिद के रिहाई का प्रेशर बनाने के लिए कैंपेन चल रहा है। 30 जनवरी को महात्मा गांधी के पुण्यतिथि से जुड़कर एक सौ साठ शिक्षाविदों, कलाकारों और कार्यकर्ताओं ने बयान जारी कर नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए गिरफ्तार किए गए छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद सहित अन्य लोगों की रिहाई की मांग की। हस्ताक्षरकर्ताओं में लेखक अमिताव घोष, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, इतिहासकार रोमिला थापर, अर्थशास्त्री जयति घोष, शांति कार्यकर्ता हर्ष मंदर और राजनीतिक वैज्ञानिक क्रिस्टोफ जाफरलॉट शामिल थे। खालिद ने दिल्ली की तिहाड़ जेल में 1,600 दिन बिताए हैं।

भारत-बांग्लादेश के तनाव चरम पर, भारत के साथ बात करते हुए हमारी टोन अलग होगी

-बार्डर विवाद को सुलझाने बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के बीच होगी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश के 4096 किलोमीटर लंबे बॉर्डर को शेयर करते हैं, इस बार्डर को रेड क्लिफ लाइन कहा जाता है। रेड क्लिफ नाम सर सिरिल रेड क्लिफ के नाम से आया। ये उस कमेटी के मुखिया थे, जिन्होंने भारत और पाकिस्तान की सरहद खींची। असम, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय और त्रिपुरा पांच राज्यों से बांग्लादेश की सीमा लगती है। लेकिन अब इस पर मतभेद शुरू हो गए हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि भारत के साथ बात करते हुए इस बार हमारी टोन अलग होगी। उन सभी समझौतों को तोड़ने वाले हैं, जिसमें बराबरी नहीं है। बात कूटनीतिक तौर पर ही होगी लेकिन हम कहीं पर भी झुकने वाले नहीं है।

दरअसल, बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के डीजी की बैठक अगले महीने फरवरी में होना तय माना जा रहा है। बांग्लादेश में पिछले साल शेख हसीना सरकार के सत्ता परिवर्तन होने के बाद जीजो के बीच यह पहली बैठक होगी। सूत्रों ने बताया कि तारीख में कोई बदलाव नहीं हुआ, तब अभी तक के शेड्यूल के हिसाब से दोनों सेना के बीच तैयारियां की जा रही है। बैठक का एजेंडा सीमा पर बाड़ लगाना, घुसपैठ रोकना, मानव और अन्य तरह की तस्करी रोकने जैसे मुद्दे शामिल रहने वाले है। इसमें सबसे टॉप पर 4096 किलोमीटर लंबे बॉर्डर की पांच लोकेशन पर भारत द्वारा सिंगल से वाली फेसिंग लगाना रहेगा। यह सीमा पर 150 गज के दायरे में 92 जगह लगाई जा रही है। लेकिन बांग्लादेश द्वारा कड़ी आपत्ति जाहिर करने के बाद भारत की तरफ से बांग्लादेश के मालदा और दिनाजपुर सहित तीन लोकेशन पर फेसिंग लगाने का काम फिलहाल रुका हुआ है।

बांग्लादेश मे पिछले साल शेख हसीना सरकार के सत्ता परिवर्तन के बाद यह मीटिंग नवंबर 2024 में नही हो सकी थी। लेकिन अब दोनो देश अपनी-अपनी फोर्सेज के चीफ के साथ इस मीटिंग को कराने के लिए सहमत हो रहे है। इस बार भारत बैठक का मेजबान है इसलिए बीएसएफ ने अपने स्तर पर इसकी तैयारियां शुरू कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

स्वीडन में कुरान जलाने वाले सलवान मोमिका की गोली मारकर हत्या

स्टॉकहोम, एजेंसी। स्वीडन में कुरान जलाने वाले सलवान मोमिका की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मोमिका इस्लाम का आलोचक था और उसने 2023 में ईद के अवसर पर स्वीडन के स्टॉकहोम की सबसे बड़ी मस्जिद के सामने मुस्लिम धार्मिक ग्रंथ कुरान को जलाकर सुर्खियों में आया था। इस घटनै के बाद कई देशों में बवाल मच गया था और इस्लाम धर्म के अनुयायियों ने इसका विरोध किया था। सलवान मोमिका ने खुद को इराक में एक ईसाई मिलिशिया का प्रमुख बताया था। उनका संगठन, जिसे इमाम अली ब्रिगेड्स कहा जाता है, 2014 में स्थापित हुआ था। इस पर युद्ध अपराधों के आरोप भी लगते रहे हैं। मोमिका ने 2017 में मोसुल के बाहरी इलाके में अपना सशस्त्र समूह भी स्थापित किया था। वह अपनी कड़ी आलोचना के लिए जाने जाते थे, विशेष रूप से इस्लाम और मुस्लिम समुदाय के खिलाफ उनके बयानों और कार्रवाइयों के लिए। सलवान मोमिका की हत्या के मामले में अभी तक किसी भी व्यक्ति या समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। हत्या के कारणों पर जांच जारी है, लेकिन यह माना जा रहा है कि उनकी हत्या धार्मिक और राजनीतिक कारणों से हो सकती है, खासकर इस्लाम के प्रति उनके कट्टर आलोचकों के कारण। स्वीडन की पुलिस ने हत्या की जांच शुरू कर दी है, और इसे एक गंभीर मामला माना जा रहा है।

मामूली वजह कारण 13 साल की बेटी को अंधेरे कमरे में रखा, भूख से तड़पा-तड़पा कर ली जान

पेरिस, एजेंसी। अपराध का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मां ने अपनी 13 वर्षीय बेटी को भूख से तड़पा-तड़पा कर मार डाला। फ्रांस में इस घटना में महिला ने बच्ची के साथ क्रूरता की हदें सिर्फ इसलिए पार क्योंकि वह अपने पिता जैसी दिखती थी। इस अमानवीय अपराध के लिए 54 वर्षीय सैंड्रिन पिस्सारा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। अगस्त 2020 में हुई इस घटना में 13 वर्षीय अमांडाइन की मौत के समय वजन मात्र 28 किलोग्राम था। मेडिकल रिपोर्ट में सामने आया कि बच्ची कुपोषण और गंभीर संक्रमण (सेप्टीसीमिया) से पीड़ित थी। उसके शरीर पर कई जख्म थे, चेहरा सूजा हुआ था, कई दांत टूट चुके थे, और उसके बाल जबरदस्ती खींचे गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमांडाइन को हफ्तों तक एक अंधेरे और बिना खिड़की वाले स्टोरेज रूम में बंद रखा गया। उसे खाने से वंचित किया गया और छोटी-छोटी गलतियों पर बेरहमी से पीटा जाता था। मां उस पर मुक्के, लात और झाड़ू से हमला करती, बाल खींचती और अपमानजनक सजा देती थी। इतना ही नहीं, उसे लेखन दंड के नाम पर जबरदस्ती लिखने पर मजबूर किया जाता था। फ्रांसीसी जांचकर्ताओं के अनुसार, बच्ची पर लगातार मानसिक और शारीरिक यातनाएं दी गईं। मां ने उसे कैमरे की निगरानी में रखा ताकि वह हर समय उस पर नजर रख सके।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सैनिक सहित 6 लोगों का अपहरण

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने दो अलग-अलग घटनाओं में छह लोगों का अपहरण कर लिया। अपहृत में एक अर्धसैनिक बल का एक जवान भी शामिल है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पहली घटना में हथियारबंद लोग दो वाहनों में आए और हवा में गोलियां चलाते हुए जबरन पांच नागरिकों को अपने साथ ले गए। उसने बताया कि अपहृत लोग उत्तरी वजीरिस्तान के शिवा तहसील के मीर अली सब-डिवीजन के अतर्गत आने वाले हसन खैल गांव में बिजली के खंभे ठीक कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटना में, अर्धसैनिक बल का एक जवान बाजार से लौटते समय अगवा कर लिया गया। पुलिस ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अब तक किसी भी संगठन ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस क्षेत्र में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) सक्रिय है, जिसे पहले भी ऐसे अपहरणों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

हमास ने माना- मिलिट्री चीफ दाइफ मारा गया : पिछले साल जुलाई में इजराइल के हवाई हमले में मौत हुई थी

तेल अवीव, एजेंसी। हमास ने गुरुवार को मिलिट्री चीफ मोहम्मद दाइफ की इजराइल के हवाई हमले में मौत की पुष्टि की। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक हमास के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में अबू ने दाइफ के अलावा हमास के डिप्टी कमांडर अबू तमाआ, कॉम्बैट सपोर्ट चीफ रायद थाबेत और मिलिट्री विंग के चीफ ऑफ स्टाफ रफा सलामेह, खान यूनुस ब्रिगेड के कमांडर अयमान नोफाल, सेंट्रल और नॉर्थ गाजा ब्रिगेड के कमांडर अहमद गंदूर की मौत की जानकारी भी दी। इजराइल के मुताबिक दाइफ की पिछले साल 23 जुलाई को हवाई हमले में मौत हो गई थी। इजराइल ने खान यूनुस में ब्रिगेड कमांडर रफा सलामेह के ठिकाने पर हमले किया था, जहां दाइफ भी मौजूद था। इजराइल के तत्कालीन रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने 1 अगस्त 2024 को दाइफ की मौत की पुष्टि की थी। उन्होंने इसे गाजा से आतंक को मिटाने के टारगेट में एक बड़ा कदम बताया था। गैलेंट ने सोशल मीडिया पर एक फोटो भी शेयर की थी, जिसमें वे दाइफ की तस्वीर को काले मार्कर से क्रॉस करते दिख रहे हैं। इजराइल ने 7 बार दाइफ को मारने की कोशिश की थी।

सुनीता विलियम्स ने नौवीं बार स्पेसवॉक किया: 5.5 घंटे तक स्पेस स्टेशन के बाहर रहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर गुरुवार शाम भारतीय समय के मुताबिक 6 बजकर 30 मिनट से स्पेसवॉक शुरू किया। इस दौरान उनके साथ एस्ट्रोनॉट बुच विल्मोर भी थे। करीब 5.5 घंटे तक चलने वाली इस स्पेसवॉक के दौरान दोनों आईएसएस के बाहरी हिस्से को साफ किया और सूक्ष्मजीव प्रयोग के लिए नमूने लिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पता चलेगा कि आईएसएस पर सूक्ष्मजीव जीवित हैं या नहीं। इसके अलावा आईएसएस से टूटा हुआ एंटीना भी अलग किया। सुनीता विलियम्स का यह 9वां स्पेसवॉक था। उन्होंने अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन के 60 घंटे और 21 मिनट को रिकॉर्ड को तोड़ते हुए सबसे ज्यादा समय तक स्पेसवॉक करने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वे अब तक अंतरिक्ष में कुल 62 घंटे 6 मिनट की स्पेसवॉक कर चुकी है। बुच विल्मोर का यह पांचवां स्पेसवॉक है।

सुनीता ने 15 दिन में दूसरी बार स्पेसवॉक किया : सुनीता विलियम्स का यह 15 दिन के भीतर दूसरा स्पेसवॉक है। उन्होंने 16 जनवरी को एस्ट्रोनॉट निक हेग के साथ साढ़े 6 घंटे तक स्पेसवॉक किया था। इन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को 23 जनवरी को स्पेसवॉक करना था लेकिन उनकी तैयारी के लिए इस दिन को 7 दिनों के लिए आगे बढ़ा

दिया गया। नासा ने कहा कि अगर वहां सूक्ष्मजीव मिलते हैं तो प्रयोग से समझने में मदद मिलेगी कि वे अंतरिक्ष के वातावरण में कैसे जीवित रह पाते हैं और कैसे प्रजनन करते हैं। यह भी जानने की कोशिश की जाएगी कि वे अंतरिक्ष में कितनी दूर तक यात्रा कर सकते हैं। यह भी जांच की जाएगी कि ये सूक्ष्मजीव चंद्रमा और मंगल जैसे ग्रह पर जीवित रह पाएंगे या नहीं। सुनीता विलियम्स के 8 दिन का सफर 10 महीने में बदला सुनीता विलियम्स करीब 8 महीने से अंतरिक्ष में हैं। वे पिछले साल 5 जून को बुच विल्मोर के साथ ढ्रूस्स पर पहुंची थीं। उन्हें एक सप्ताह के बाद लौटना था। दोनों बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल के टेस्ट के लिए गए थे, लेकिन इसमें खराबी आने के बाद दोनों आईएएस पर ही रुक गए। इसके बाद से दोनों वहीं फंसे हुए हैं। नासा ने सुनीता और बुच विल्मोर को फरवरी 2025 में इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लाने की जानकारी दी थी। लेकिन अब उनके लौटने में और ज्यादा वक्त लग सकता है। नासा ने पिछले महीने कहा था कि उन्हें मार्च 2025 के अंत का इंतजार करना होगा। यह तारीख अप्रैल की शुरुआत तक भी बढ़ सकती है। नासा के मुताबिक सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष से वापस लाने के लिए स्पेसएक्स को नया कैप्सूल बनाना है। इसे बनाने में स्पेसएक्स को वक्त लगेगा, जिस वजह से मिशन में देरी होगी। यह काम मार्च के अंत तक पूरा किया जा सकता है। इसके बाद ही स्पेस में फंसे एस्ट्रोनॉट्स को वापस लाया जा सकेगा। इलॉन मस्क अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स को वापस लाएंगे अमेरिका के नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्पेस एक्स के सीईओ इलॉन मस्क से अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर को वापस लाने का काम सौंपा है। दोनों वैज्ञानिक पिछले साल जून से अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा- मैंने मस्क से उन दो 'बहादुर अंतरिक्ष यात्रियों' को वापस लाने को कहा है। इन्हें बाइडेन प्रशासन ने अंतरिक्ष में छोड़ दिया है। वे अंतरिक्ष स्टेशन पर कई महीनों से इंतजार कर रहे हैं। मस्क जल्द ही इस काम में लग जाएंगे। उम्मीद है कि सभी सुरक्षित होंगे। मस्क ने इसके जवाब में कहा कि हम ऐसा ही करेंगे। यह भयानक है कि बाइडेन प्रशासन ने उन्हें इतने लंबे वक्त तक वहां छोड़ रखा है। जबकि नासा ने अपने क्रू-मिशन के तहत दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने के लिए स्पेसएक्स को कई महीने पहले ही शामिल कर लिया था। सुनीता और विलमोर को स्पेस स्टेशन पर क्यों भेजा गया था? सुनीता और बुश विलमोर बोइंग और नासा के जॉइंट 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' पर गए थे। इसमें सुनीता, स्पेसक्राफ्ट की पायलट थीं। उनके साथ गए बुश विलमोर इस मिशन के कमांडर थे। दोनों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में 8 दिन रुकने के बाद वापस पृथ्वी पर आना था। लॉन्च के समय बोइंग डिफेंस, स्पेस एंड सिक्योरिटी के प्रेसिडेंट और सीईओ टेड कोलबर्ट ने इसे स्पेस रिसर्च के नए युग की शानदार शुरुआत बताया था। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट की एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन तक ले जाकर वापस लाने की क्षमता साबित करना था। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन पर 8 दिन में रिसर्च और कई एक्सपेरिमेंट भी करने थे। सुनीता और विलमोर पहले एस्ट्रोनॉट्स हैं।

कनाडा में सुपर वीजा पर सख्त नियम, अब स्वास्थ्य बीमा अनिवार्य

ओटावा, एजेंसी। कनाडा ने सुपर वीजा धारकों के लिए नया नियम लागू किया है, जिसके तहत अब सुपर वीजा पर आने वाले लोगों को कनाडा में रहने के दौरान वैध स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी रखना जरूरी होगा। इससे पहले, सुपर वीजा पर आने वाले लोग स्वास्थ्य बीमा नहीं दिखाते थे, लेकिन अब इस नए नियम के साथ यह अनिवार्य कर दिया गया है।

सुपर वीजा, जो कनाडाई नागरिकों और स्थायी निवासियों के माता-पिता और दादा-दादी को कनाडा में अपने परिवार से मिलने के लिए एक लंबी अवधि का वीजा देता है, अब इससे जुड़े आवेदनकर्ताओं को यह साबित करना होगा कि उनके पास सुपर वीजा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त स्वास्थ्य कवरेज है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि सुपर वीजा धारक कनाडा के सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों का लाभ नहीं उठा सकते। कनाडा सरकार के अनुसार, सुपर वीजा धारकों को अपनी यात्रा के दौरान कोई भी स्वास्थ्य समस्या होने पर पूरी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी दिखानी होगी। यह बीमा पॉलिसी एक विदेशी कंपनी से होनी चाहिए, जो वित्तीय संस्थानों के अधीक्षक कार्यालय द्वारा अधिकृत हो। इसके अलावा, यह बीमा कनाडा में रहने के समय तक वैध होना चाहिए और अगर पॉलिसी की वैधता खत्म हो जाती है, तो इसे नवीनीकरण की आवश्यकता होगी। 5 साल तक कनाडा में रह सकता है सुपर वीजा धारक इस बदलाव के बाद, अधिकतर पंजाबी लोग, जो पहले पीआर के लिए आवेदन करते थे, अब सुपर वीजा का विकल्प ज्यादा चुन रहे हैं, क्योंकि सुपर वीजा धारक 5 साल तक कनाडा में रह सकते हैं और इसके लिए बीमा भी अनिवार्य किया गया है। कनाडा में स्वास्थ्य बीमा का खर्च बहुत अधिक है और यदि कोई व्यक्ति अचानक बीमार पड़ जाता है, तो उसे निजी स्वास्थ्य सेवाएं महंगी पड़ सकती हैं। इस बदलाव से कनाडा में परिवारों को यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रिहा किए गए बंधकों का स्वागत किया

जेरूसलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास की कैद से रिहा किए गए तीन इजरायली नागरिकों- अगम बर्जर, अर्बेल येहुद और गादी मूसा का स्वदेश में स्वागत किया। तीनों को गुरुवार को छोड़ा गया। नेतन्याहू ने एक बयान जारी कर रिहाई के तरीके को लेकर हमास की आलोचना भी की। उन्होंने कहा, अगम, अर्बेल और गादी का स्वागत है। पूरे इजरायल के साथ ही हम (नेतन्याहू और उनकी पत्नी) आपका तहे दिल से स्वागत करते हैं। नेतन्याहू ने कहा, यह रिहाई, सबसे पहले, हमारे वीर सैनिकों की बदौलत मुमकिन हुई, और यह उस दृढ़ रुख का भी नतीजा है जो हमने बातचीत के दौरान अपनाया था। हालांकि, प्रधानमंत्री ने इनकी रिहाई को लेकर हमास द्वारा अपनाए गए तरीके पर भी सवाल उठाए। बोले, हम समझौते के उल्लंघन को स्वीकार नहीं करेंगे। आज हमारे बंधकों की रिहाई के दौरान, हम सभी ने चौंकाने वाले दृश्य देखे। हमने मध्यस्थों को यह स्पष्ट कर दिया है कि हम अपने बंधकों को लेकर कोई भी रिस्क लेने को तैयार नहीं हैं। लेकिन कोई भी हमारे बंधकों को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। गुरुवार को गाजा से रिहा किए गए तीन इजरायली बंधकों का नाम पहले इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा दिया गया था, जिसने यह भी पुष्टि की कि पांच थाई नागरिकों को भी मुक्त कर दिया गया था। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने गुरुवार को गाजा में रिहा किए गए।

अमेरिकी सरकार में आंतरिक सचिव बने डग बर्गम, ट्रंप ने सौंपा था जीवाश्म ईंधन उत्पादन को बढ़ाने का काम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने आंतरिक सचिव के रूप में उत्तरी डकोटा के अरबपति डग बर्गम को चुना है। सीनेट में हुए मतदान के दौरान बर्गम को 79-18 वोट मिले। आधे से अधिक डेमोक्रेट्स सांसदों ने डग बर्गम का साथ दिया। बर्गम सॉफ्टवेयर उद्योग से जुड़े उद्यमी हैं। वह उत्तरी डकोटा के एक छोटे से कृषक समुदाय से आते हैं। पहले वे अपने परिवार के अनाज लिफ्ट में काम करते थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जीवाश्म ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए योजना बनाने का काम बर्गम को सौंपा था।

इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बर्गम को नई राष्ट्रीय ऊर्जा परिषद का अध्यक्ष भी बनाया है। यह परिषद अमेरिकी ऊर्जा प्रभुत्व हासिल करने के लिए काम करेगी। इसलिए बर्गम को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में भी एक सीट मिलेगी। बर्गम पर ऊर्जा कंपनियों के लिए जीवाश्म ईंधन संसाधनों का दोहन करने के काम को आसान बनाने की जिम्मेदारी है।

इससे पहले बर्गम दो बार उत्तरी डकोटा के गवर्नर रह चुके है। 2023 में उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए अपना प्रचार शुरू किया था, लेकिन कुछ ही समय बाद उन्होंने प्रचार छोड़कर ट्रंप को समर्थन दे दिया। गवर्नर रहने के दौरान बर्गम ने ऊर्जा उद्योग को लेकर काफी काम किया है। बर्गम ने कहा कि अमेरिका ऊर्जा विकास का उपयोग शांति को बढ़ावा देने और अपनी उपभोक्ता लागत को कम करने के लिए कर सकता है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो

बाइडन के नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के कदम को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अमेरिका को परमाणु और कोयला जैसे स्रोतों से अधिक बिजली पैदा करने की जरूरत है। रिपब्लिकन सीनेटर जॉन बैरासो ने कहा कि बर्गम ऊर्जा नवाचार को प्राथमिकता देंगे। वह तेल और गैस उत्पादन के लिए हमारी जमीनों को खोलेंगे। वायोमिंग में 600000 एकड़ से ज्यादा जमीन को ऊर्जा उत्पादन के लिए मंजूरी दी गई है, लेकिन बाइडन प्रशासन ने इसे विकास के लिए पेश नहीं किया है। अमेरिका में आंतरिक सचिव पर राष्ट्रीय उद्यान सेवा, अमेरिकी मत्स्य एवं वन्य जीव सेवा, भारतीय मामले ब्यूरो, भूमि प्रबंधन ब्यूरो और अन्य उप-एजेंसियों की भी देखरेख का जिम्मा है। बर्गम ने डेब हैलैंड का स्थान लिया है। हैलेंड ने बाइडन प्रशासन के दौरान तेल और गैस की बिक्री में भारी कटौती की थी। उन्होंने संघीय भूमि पर सौर और पवन परियोजनाओं को बढ़ावा दिया था। नए आंतरिक सचिव बर्गम का कहना है कि संघीय भूमि का उपयोग मनोरंजन, लकड़ी काटने और तेल व गैस उत्पादन सहित कई उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि संघीय भूमि का हर एकड़ राष्ट्रीय उद्यान या वन्य क्षेत्र नहीं है।

कच्चे तेल का अधिक उत्पादन करता है अमेरिका : अमेरिका के ऊर्जा विभाग के मुताबिक अमेरिका वर्तमान किसी भी देश की तुलना में अधिक कच्चे तेल का उत्पादन करता है। हाल के दशकों में न्यू मैक्सिको, टेक्सास और नॉर्थ डकोटा सहित राज्यों में ड्रिलिंग बूम को बढ़ावा दिया गया। यहां ग्रामीण कृषि भूमि को तेल और गैस कंपनियों ने औद्योगिकीकृत किया। इस तेजी से राज्य और संघीय सरकारों को अरबों डॉलर का कर राजस्व मिला।

कुछ भी नहीं बचा, गाजा को दोबारा बनाने में लग जाएंगे दशक, ट्रंप के दूत ने बताई आंखों देखी

गाजा, एजेंसी। गाजा में एक साल से भी ज्यादा समय तक चली जंग अब थम चुकी है। इस जंग में ना सिर्फ गाजा की बड़ी आबादी मिट गई बल्कि शहर के शहर तबाह हो गए। गाजा के अधिकारियों के मुताबिक इस जंग में 45 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। वहीं यहां की 90 प्रतिशत आबादी को अपना घर छोड़कर जाना पड़ा। युद्धविराम की घोषणा के बाद लोग वापस गाजा के उत्तरी इलाकों में लौटने लगे हैं लेकिन वहां उन्हें मलबे के अलावा कुछ नजर नहीं आ रहा है।

हाल ही में ट्रंप के राजदूत ने गाजा की दयनीय स्थिति को लेकर चिंता जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मिडिल ईस्ट के दूत स्टीव विटकॉफ ने बीते दिनों गाजा का दौरा किया। दौरे के बारे में बात करते हुए उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि गाजा में लगभग सब कुछ खत्म हो चुका है और युद्ध से तबाह हुए इस इलाके के पुनर्निर्माण में 10 से 15 साल लग सकते हैं।

विटकॉफ ने गाजा का दौरा करने के बाद बताया, लोग अपने घरों की ओर जा रहे हैं। वहां न तो पानी है और न ही बिजली। वहां जो हुआ है वह कि आश्चर्यजनक है। गौरतलब है कि विटकॉफ कतर और दूसरे अरब देशों के साथ व्यापारिक संबंध रखते हैं। वह इजरायल और हमास के बीच हुए युद्ध विराम समझौते की देखरेख करने के लिए गाजा पहुंचे थे। उनका यह बयान इसीलिए भी अहम है क्योंकि ट्रंप ने हाल ही में यह कहा था कि गाजा के देशों को अरब देशों में पनाह ले लेनी चाहिए। हालांकि फिलिस्तीनियों को गाजा छोड़ने का कोई भी सुझाव सुझाव मंजूर नहीं है।

'चलना भी सुरक्षित नहीं' : विटकॉफ ने एक्सियोस वेबसाइट को बताया, हम पांच सालों में गाजा के पुनर्निर्माण के लिए एक ठोस योजना बना सकते हैं। लेकिन यह असंभव है। इसमें 10 से 15 साल लग सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, वहां कुछ भी नहीं बचा है। वहां चलना भी सुरक्षित नहीं है। यह बहुत खतरनाक है। मैं वहां जाकर निरीक्षण किए बिना यह नहीं जान पाता।

10,000 शव दफन : इससे पहले इस महीने जारी किए गए संयुक्त राष्ट्र के आकलन के मुताबिक यहां युद्ध के 50 मिलियन टन से अधिक मलबे को साफ करने में 21 साल लग सकते हैं और इसकी लागत 1.2 बिलियन डॉलर तक हो सकती है। वहीं अधिकारियों के मुताबिक मलबे में संभवतः मानव अवशेष भी हो सकते हैं। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय का अनुमान है कि मलबे के नीचे 10,000 शव दफन हैं।

ग्रीनलैंड खरीदने में ट्रंप की दिलचस्पी कोई मजाक नहीं, विदेश मंत्री रूबियो ने किया राष्ट्रपति का समर्थन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ग्रीनलैंड को खरीदने की बात का विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने समर्थन किया है। मार्को रूबियो ने कहा कि ग्रीनलैंड को खरीदने में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दिलचस्पी कोई मजाक नहीं है। ग्रीनलैंड का अधिग्रहण अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है और इस मुद्दे को सुलझाने की जरूरत है। एक कार्यक्रम में रूबियो ने कहा कि ट्रंप ग्रीनलैंड को खरीदना चाहते हैं और उन्होंने इसे खरीदने के लिए सैन्य दबाव बनाने से इनकार नहीं किया है। यह कोई मजाक नहीं है। यह केवल भूमि अधिग्रहण का मामला नहीं है। बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय हित में है और इसे हल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आर्कटिक अब महत्वपूर्ण नौवाहन मार्ग बनने जा रहा है और अमेरिका इस मार्ग की रक्षा करने के लिए सक्षम है। क्योंकि अमेरिका का प्रतिद्वंदी चीन यहां अपनी उपस्थिति को बढ़ाने की कोशिश करना चाहता है। रूबियो ने कहा ग्रीनलैंड का मालिक बनना राष्ट्रपति की प्राथमिकता है और उन्होंने इसे कई बार स्पष्ट किया है। अभी हम स्थिति में नहीं हैं कि हम इस पर चर्चा कर सकें कि हम आगे कैसे बढ़ेंगे। लेकिन यह तय है कि अब से चार साल बाद आर्कटिक में हमारा हित अधिक सुरक्षित होगा।

संसद में लाया जा चुका प्रस्ताव : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव के पहले से ही ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की इच्छा जता रहे हैं। ट्रंप ने

अपने सोशल मीडिया खाते पर भी लिखा था- ग्रीनलैंड एक अद्भुत जगह है। यदि यह हमारे देश का हिस्सा बनता है, तो यहां के लोगों को बहुत लाभ मिलेगा। हमें इसे सुरक्षित रखेंगे और दुनिया से बचाएंगे। अमेरिकी संसद के निचले सदन- हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में रिपब्लिकन सांसदों ने मेक ग्रीनलैंड ग्रेट अगेन विधेयक पेश कर दिया है।

वहीं ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बुरुप एगेडे ने कहा था कि ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बनने में कोई रुचि नहीं है और यह द्वीप बिकाऊ नहीं है। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। यह अटलांटिक और आर्कटिक महासागरों के बीच स्थित है और इसका 80 फीसदी हिस्सा बर्फ से ढका हुआ है। यहां एक बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा भी है।

ट्रंप ने एक बार फिर ब्रिक्स देशों को चेताया, कहा- डॉलर का साथ छोड़ा तो लगेगा 100 फीसदी टैरिफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर की बजाय दूसरी मुद्रा अपनाने पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर ब्रिक्स देश दूसरी मुद्रा अपनाएंगे तो अमेरिका उनका साथ छोड़ देगा। ट्रंप ने लिखा कि यह विचार है कि ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि हम खड़े होकर देखते हैं, खत्म हो चुका है। हमें इन शत्रुतापूर्ण देशों से यह प्रतिबद्धता चाहिए कि वे न तो नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही शक्तिशाली अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे, अन्यथा उन्हें 100त्न टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। उन्हें शानदार अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नई मुद्रा को बेचने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। वे किसी अन्य बेवकूफ देश की तलाश कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय व्यापार में या कहीं और अमेरिकी डॉलर की जगह ले लेगा। जो भी देश ऐसा करने की कोशिश करेगा, उसे टैरिफ को नमस्ते कहना चाहिए और अमेरिका को अलविदा कहना चाहिए।

पहले भी चेतावनी दे चुके हैं ट्रंप : ट्रंप ब्रिक्स देशों को पहले भी चेतावनी दे चुके हैं। पिछले सप्ताह ओवल ऑफिस में अपने हस्ताक्षर समारोह के दौरान मीडिया से बात करते हुए, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि अगर ब्रिक्स देश ऐसा करना चाहते हैं, तो ठीक है, लेकिन हम संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उनके व्यापार पर कम से

कम 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने जा रहे हैं। यह कोई धमकी भी नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उनके बयान को धमकी के रूप में नहीं बल्कि इस मुद्दे पर एक स्पष्ट रुख के रूप में देखा जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस मामले में अपने पूर्ववर्ती बाइडन की टिप्पणियों का भी संदर्भ दिया। बाइडन ने संकेत दिया था कि अमेरिका इस मामले में कमजोर स्थिति में है। ट्रंप ने इस पर असहमति जताई और जोर देकर कहा कि अमेरिका का ब्रिक्स देशों पर प्रभाव है और वे अपनी योजनाओं को आगे नहीं बढ़ा पाएंगे।

ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ : ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने से पहले, ब्रिक्स देशों को सभी आयातों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, अगर वे व्यापार के लिए अपनी अलग मुद्रा लॉन्च करने की हिम्मत करते हैं। ट्रंप की यह प्रतिक्रिया ब्रिक्स देशों की ओर से वैश्विक वित्तीय प्रणाली में डॉलर के प्रभुत्व को कम करने के लिए इसे एक नई वैश्विक मुद्रा के साथ बदलने के प्रयास की खबरों पर आई है।

पुतिन की ओर से डी-डॉलराइजेशन के आह्वान पर ट्रंप का निशाना : 2023 में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने डी-डॉलराइजेशन का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि ब्रिक्स देशों को राष्ट्रीय मुद्राओं में निपटान का विस्तार करना चाहिए और बैंकों के बीच सहयोग बढ़ाना चाहिए। जून 2024 में, ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों ने रूस के निजनी नोवगोरोड में मुलाकात की थी और सदस्य देशों के बीच द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार और वित्तीय लेन-देन में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ाने का आह्वान किया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम का आठवां पाटोत्सव पर आज होगा बाबा का पीले फूलों से शृंगार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम का आठवां पाटोत्सव बसंत पंचमी के अवसर पर रविवार को मनाया जाएगा। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया की इस अवसर पर बाबा श्याम का विशेष श्रृंगार पीले फूलों से किया जाएगा। पाटोत्सव के अवसर पर पूरे मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। रविवार को सुबह साढ़े सात बजे से पाटोत्सव पूजा विधान एवं शाम पाँच बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। भजन संध्या में स्थानीय गायक अजीत दाधीच के अलावा दिल्ली से आमंत्रित प्राची गोयल एवं सोनभद्र के संजीव शर्मा भजनों की प्रस्तुति देंगे। पाटोत्सव के मौके पर ट्रस्ट द्वारा सभी भक्तों को बधाई वितरित की जाएगी।

रथ निशान यात्रा – ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका ने बताया की पाटोत्सव कार्यक्रम में शनिवार को रथ निशान यात्रा का आयोजन वेसु स्थित कैपिटल ग्रीन बिल्डिंग से किया गया। सुबह आठ बजे अखण्ड ज्योत प्रज्वलन एवं निशान पूजन के बाद यात्रा रवाना हुई। यात्रा में सैंकड़ों भक्त बाबा की जयकार करते हुए श्याम मंदिर पहुँचे, जहां सभी ने बाबा को निशान अर्पण किए। आयोजन में शाम साढ़े छ बजे से सुंदरकांड पाठ का वाचन मानस मंडल द्वारा किया गया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष रामप्रकाश रुंगटा, आयोजन के संयोजक पूरणमल अग्रवाल, अशोक चौकड़िका, गणेश अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

मिलेनियम मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन, सूरत द्वारा हुआ साप्ताहिक सभा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, शनिवार को रूल्झ की साप्ताहिक सभा में कमिटी मेम्बर कमलेश जैन, संजय मोरखिया, कमलेश हरणेशा, भाविन, भरत बरमेशा, विकाश देसाई, प्रियांक शामिल हुए। प्रियांक की हाजरी में सभा का प्रारंभ किया गया। सभा में नये 6 आवेदन आये। सभी आवेदन का कमिटी के द्वारा व्यापारी और एजेंट को साथ में रखकर अच्छे से निवारण लाया गया।

MMTA की सभा में कमिटी मेम्बर कमलेश जैन ने सभी व्यापारी से ख़ास निवेदन किया है। सोच समझ कर ध्यान दे कर व्यापार करे। जिन एजेंट या पार्टी के अधिक आवेदन आयेगे और वो क्लियर करवाने में सहयोग नहीं करेंगे तो मार्केट में उनका नाम माइक में उजागर किया जाएगा। बजट को लेकर व्यापारियों में ख़ुशी का माहौल हैं। लेकिन रूल्झ को लेकर भी सरकार को व्यापारी को राहत देनी चाहिए।

सबका साथ और सबके विकास के साथ केंद्रीय बजट में दिखा असर, मध्यवर्गीय व्यापारियों को मिली बड़ी राहत- संजीवनी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सरकार के द्वारा केंद्रीय बजट में मध्य वर्ग के लिए कुछ ध्यान दिया, जिससे कि सभी को कुछ न कुछ सबके खाते लाभ हुआ। इससे व्यापार इनकम टैक्स के स्लैप को देखते हुए सभी व्यापारी को एक बड़ी राहत मिली। सरकार ने हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ बजट में ध्यान दिया, चाहे तो वह व्यापारी वर्ग हो या बुजुर्गों के लिए और बच्चों के शिक्षा के लिए और हर चीजों को देखते हुए, हर व्यक्ति का ध्यान देने की कवायत की है , जिससे पूरा व्यापारी जगत खुश है। आज आड़तिया कपड़ा ऐसोसिएशन सूरत (AKAS) के द्वारा इस बजट को बहुत ही लाभदायी बताया गया हैं।

बजट में मध्यम वर्ग का रखा गया ध्यान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सरकार के इस बार बजट में इनकम टैक्स में बारह लाख की ऐतिहासिक छूट देकर साथ ही मोबाइल फ़ोन, टीवी सस्ते करके मध्यम वर्ग को राहत दी है। स्टार्टअप के लिए फण्ड देकर युवा उधमियों को प्रोत्साहन किया है। कुल मिलाकर सभी वर्ग का बजट में विशेष ध्यान रखा गया है। – कपीश खाटूवाला

आयकर सीमा बढ़ने से सूरत के 4 लाख करदाताओं को टैक्स में राहत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, केंद्रीय बजट में मध्यमवर्गीय करदाताओं को नई कर प्रणाली में मिले बड़े लाभ का असर देखा जाए तो सूरत में करीब 4 लाख और पूरे राज्य में लगभग 20 लाख करदाताओं को सीधा लाभ मिलने वाला है। हालांकि, 4 लाख रुपये से अधिक आय वालों को रिटर्न फाइल करना अनिवार्य रहेगा। इस राहत का लाभ उठाने वालों में शून्य रिटर्न फाइल करने वाले करदाता भी शामिल हैं। सूरत में करीब 11 लाख लोग आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं, जबकि पूरे राज्य में यह संख्या 80 लाख से अधिक है।

सी.ए. प्रज्ञेश जगाशेठ का कहना है कि कर की सीमा बढ़ने से लोगों के पास खर्च करने के अधिक विकल्प होंगे, जिससे अर्थव्यवस्था में धन का प्रवाह बढ़ेगा।

सी.ए. प्रदीप सिंघी का कहना है कि अधिकांश कर राजस्व उच्च स्लैब से आता है। आमतौर पर 10-12 लाख या 15 लाख तक का रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या अधिक होती है, लेकिन उनका टैक्स कम रहता है। इसलिए आयकर विभाग को राजस्व में कोई बड़ा नुकसान नहीं होगा। कुल मिलाकर, मध्यम वर्ग के लिए यह बजट फायदेमंद साबित होगा।

वेसु में 9वीं मंजिल के पेंटहाउस में बेडरूम में शॉर्ट सर्किट से आग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वेसु में एल.पी. सवाणी स्कूल के पास स्थित 77 एवेन्यू अपार्टमेंट की 9वीं मंजिल पर बने पेंटहाउस में शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़क उठी। सौभाग्य से इस घटना में किसी को कोई चोट या जानहानि नहीं हुई।

77 एवेन्यू अपार्टमेंट की 9वीं मंजिल पर रहने वाले चंद्रकांतभाई खंडुभाई पटेल के पेंटहाउस में शनिवार दोपहर बेडरूम में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। परिवार के सदस्य उस समय बाहर थे, और बंद फ्लैट से धुआं निकलता देख आसपास के निवासियों में अफरा-तफरी मच गई। अपार्टमेंट के निवासियों ने पास के फायर स्टेशन पर सूचना दी, जिसके बाद तीन फायर स्टेशनों की टीम मौके पर पहुंची। इस घटना में बेडरूम का फर्नीचर, गद्दे, रजाइयां, एसी समेत कई सामान जलकर राख हो गए।

ऑस्ट्रेलिया के वीजा के नाम पर 24 लाख की ठगी करने वाला शिक्षक गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पाल इलाके में गौतमी इमिग्रेशन टुर्स एंड ट्रैवल्स के नाम से ऑफिस खोलकर ऑस्ट्रेलिया के वर्क वीजा के नाम पर 3 लोगों से 24 लाख रुपये ठगने के आरोप में अडाजण पुलिस ने वडोदरा की बीएमसी स्कूल के शिक्षक बिपिन मौर्य को गिरफ्तार किया है।

अडाजण पुलिस ने प्रमोद यादव, रामकुमार और अंजलि शाह के खिलाफ मामला दर्ज किया था और प्रमोद यादव (देवरिया, उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया था। प्रमोद यादव से पूछताछ में बिपिन मौर्य का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया है।